mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-75 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
19 मार्च 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

अवनीत कौर और...

@ पेज 7

दुनिया सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के लौटने का इंतजार कर रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष में फंसे नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर स्पेसएक्स का यान धरती के लिए रवाना हो गया है। बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सवार

● सुनीता विलियम्स की धरती में वापसी को लेकर बोले जितेंद्र सिंह

होकर पृथ्वी की ओर आ रहे हैं। इनके भारतीय समयानुसार बुधवार तड़के 3.27 मिनट पर इसके फ्लोरिडा के समुद्री तट पर उतरने की संभावना है। सुनीता विलियम्स की धरती में वापसी को लेकर भारत में भी खुशी की लहर है।

सुनीता विलियम्स को कहा- भारत की बेटी केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को भारत की बेटी कहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के लौटने का इंतजार कर रही है, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर लगभग नौ महीने बिताए हैं।

पूरी दुनिया को किया गौरावान्वित: जितेंद्र सिंह ने यह भी कहा, देश को उन पर गर्व है। उनकी सुरक्षित वापसी के लिए देश प्रार्थना कर रहा है। उन्होंने (सुनीता विलियम्स) भारत की बेटी होने के नाते पूरी दुनिया को गौरवान्वित किया है। उन्होंने उस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया है जो उन्हें सौंपा गया था।

सुनीता विलियम्स की भारतीय जड़ों का उल्लेख: केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक बहुत ही सुखद संयोग यह है कि आज ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में महाकुंभ पर एक बयान दिया और संयोग से सुनीता ने भी कुंभ के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं हैं। मंत्री जितेंद्र सिंह ने गुजरात में सुनीता विलियम्स की भारतीय जड़ों का भी उल्लेख किया।

पीएम मोदी ने 1 मार्च को सुनीता विलियम्स को लिखा पत्र: इस बात पर भी जोर डाला कि भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विलियम्स को 1 मार्च को लिखे गए पत्र के बारे में पूछे जाने पर राज्य मंत्री ने कहा, %उनके और भारत के बीच और निश्चित रूप से गुजरात, जिस राज्य से वह ताल्लुक रखती हैं के बीच बहुत गहरा संबंध है। यह इस बात का भी संकेत है कि नासा सहित भारत के बाहर की अधिकांश अंतरिक्ष एजेंसियां ??अब अपने अधिकांश महत्वपूर्ण मिशनों का नेतृत्व भारतीय लड़के और लड़कियों से करवा रही हैं। सुनीता विलियम्स को लेकर आ रहा अंतरिक्ष यान, जो स्पेसएक्स का ड्रैगन कैप्सूल है। अमेरिका के फ्लोरिडा तट के पास समुद्र में लैंड करेगा। यह लैंडिंग स्प्लैशडाउन के रूप में होगी, जिसमें यान पैराशूट की मदद से समुद्र में उतरेगा।

संक्षिप्त समाचार

सेना पर हो रहे हमलों के बीच पाकिस्तान में एकजुट नहीं सियासी दल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रमुख विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने देश में मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए मंगलवार को आहूत की गई महत्वपूर्ण सुरक्षा बैठक का बहिष्कार किया। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक ने प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (क्क) के विद्रोहियों द्वारा 11 मार्च को एक ट्रेन के हाईजैक की घटना के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा पर संसदीय समिति की बंद कमरे में हुई बैठक की

अध्यक्षता की। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इस बैठक का बहिष्कार किया। खान वर्तमान में जेल में बंद हैं। बीएलए ने बलूचिस्तान के बोलन क्षेत्र में ट्रेन को हाईजैक कर लिया था, जिसमें लगभग 425 यात्री सवार थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाह पर बुलाई गई बैठक में प्रमुख मंत्रियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, प्रांतीय मुख्यमंत्रियों, गर्वनर और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भाग लिया। सैन्य नेतृत्व ने संसदीय समिति को वर्तमान सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। बैठक में हुई चर्चा का विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं है। हालांकि, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने सरकार के निमंत्रण के बावजूद बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया क्योंकि पार्टी ने बैठक से पहले 72 वर्षीय खान के साथ बैठक की मांग की थी। सरकार ने मांग स्वीकार नहीं की। पीटीआई के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन तहरीक तहफ्फुज-ए-आयीन पाकिस्तान (टीटीएपी) ने भी बैठक से दूरी बनाई। टीटीएपी प्रमुख महमूद खान अचकजई ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि खान को बैठक में आमंत्रित किया जाए।

ऑस्ट्रेलिया के समुद्री तटों पर रहस्यमयी झाग से मचा हड़कंप

ऑस्ट्रेलिया (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के समुद्री तटों पर रहस्यमयी झाग देखने को मिला है। इसके बाद कई सर्फर्स ने पानी में जाने के बाद आंखों में जलन, गले में खराश और खांसी की शिकायत की है। बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां तट पर आ गई हैं जिससे हड़कंप मच गया है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, वेटपिंगा बीच और पार्सन्स बीच पर 100 से अधिक सर्फर्स बीमार भी हुए हैं। बीते सप्ताह एडिलेड से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण और विक्टर हार्बर से 15 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित वेटपिंगा बीच

पर पीला और चमकदार गाढ़ा झाग देखने को मिला था। इसके बाद समुद्र तट पर जाने वाले और सर्फर फ्लू जैसे लक्षणों की शिकायत करने लगे, जैसे कि आंखों में खुजली, सूखी खांसी और गले में खराश। एक सर्फर एंथनी रोलैंड ने फेसबुक पर पोस्ट किया कि ÷पानी में कुछ अजीब है÷, यह देखने के बाद कि कुछ लोगों ने ÷धुंधली दृष्टि की भी शिकायत की।÷द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक पानी झाग से ढका हुआ था, साथ ही किनारे पर हरे, चिपचिपे मैले पदार्थ भी थे। कुछ पर्यटकों ने पानी पर एक स्पष्ट ÷चिकनाई÷ और समुद्र तट पर दर्जनों मृत मछलियों की सूचना दी। रोलैंड ने समुद्री ड्रैगन सहित मृत समुद्री प्रजातियों की तस्वीरें ऑनलाइन साझा कीं, जो समुद्र तट पर बहकर आईं। उन्होंने कहा, पानी में कुछ अजीब होने का स्पष्ट प्रमाण है।

अयोध्या में रामलला का सूर्य तिलक अगले महीने किया जाएगा

अयोध्या (एजेंसी)। भगवान राम की नगरी अयोध्या में रामलला का सूर्य तिलक अगले महीने किया जाएगा। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या राम मंदिर आते है। जानकारी के अनुसार, इस साल 16 अप्रैल को रामनवमी मनाई जाएगी। इसी दिन रामलला का सूर्य तिलका किया जाता है। पिछले साल 2024 में 17 अप्रैल रामलला का सूर्य तिलक किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस साल भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। अगर आप भी इस

साल रामलला का सूर्य तिलक देखना चाहते हैं तो टिकट बुक करवा लीजिए। अगर आप अयोध्या से काफी दूर रहते हैं तो ट्रेन या हवाई यात्रा आपके लिए बेहतर रहेगा। अगर अयोध्या से ज्यादा दूर नहीं रहते हैं तो बस या कार से आ सकते हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात या पूर्वोत्तर राज्यों से आने वालों के लिए ट्रेन से सफर करना बेहतर साबित हो सकता है क्योंकि ट्रेन से कम खर्चे में अयोध्या आ सकते हैं।

अयोध्या में राम मंदिर के अंदर लेंस और दर्पणों की व्यवस्था से प्रत्येक राम नवमी के दिन ठीक दोपहर में राम लला की मूर्ति के माथे पर सूर्य की एक किरण आती है। %सूर्य तिलक% भगवान राम के जन्म के शुभ दिन का प्रतीक माना जाता है। राम नवमी के दिन दोपहर के समय भगवान राम के माथे पर सूर्य की रोशनी डाली जाएगी। राम मंदिर में प्रवेश करने वाली सूर्य की किरणें सबसे पहले मंदिर की सबसे ऊपरी मंजिल पर लगे दर्पण पर पड़ेंगी। इसके बाद लेंस की मदद से रामलला के माथे पर पड़ेंगी। देखने में नजारा बड़ा ही मनमोहक लगता है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु राम मंदिर पहुंचते हैं।

संसद में बोले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह

'आज मेरे बेटों का रिसेप्शन है, कल से मैं वानप्रस्थ आश्रम में जा रहा हूं'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि अपने बेटों की शादी के बाद अब वह वानप्रस्थ आश्रम में जा रहे हैं और अपना पूरा समय किसानों की सेवा में लगाएंगे। चौहान ने प्रश्नकाल में सदस्यों के पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा, ''आज से मैं गृहस्थ से वानप्रस्थ आश्रम में जा रहा हूं। आज मेरे बेटों की शादी के बाद 'रिसेप्शन' है। मैंने सभी को निमंत्रित किया है। कल से मैं वानप्रस्थी हो जाऊंगा और अपना पूरा समय किसानों की सेवा में लगाऊंगा क्योंकि उनकी सेवा ही मेरे लिए भगवान की पूजा है।''

उन्होंने फसल बीमा योजना संबंधी पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि मोदी सरकार से पहले फसल के नुकसान के लिए मुआवजे की सबसे छोटी इकाई तहसील होती थी और जब तक पूरी तहसील में फसल बर्बाद नहीं हो, किसानों को मुआवजा नहीं मिलता था। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

की सरकार में गांव को सबसे छोटी इकाई बनाया गया और एक गांव में फसल को नुकसान होने पर भी किसानों को राहत मिलती है।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यदि देश का नेता दूरदृष्टा हो तो व्यवस्थाएं अपने आप बदलने लगती हैं। चौहान ने कहा कि किसानों की हालत एक दशक पहले बहुत खराब थी, लेकिन इस सरकार के आने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक नहीं, अनेक उपाय किए गए हैं जिसके कारण किसानों की हालत लगातार सुधर रही है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार किसानों की हालत सुधारने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

प्रियंका गांधी के पूरक प्रश्न पर दिया ये जवाब: कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के उनके संसदीय क्षेत्र वायनाड (केरल) के संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्न के उत्तर में कृषि मंत्री ने कहा, ''किसान चाहे केरल का हो या कर्नाटक का, किसान होता है। हम सब भारत मां के लाल हैं और भेदभाव का कोई सवाल नहीं है।'' उन्होंने कहा कि जब भी प्राकृतिक आपदाएं आती हैं तो नीति आयोग की सिफारिश के अनुसार केंद्र सरकार राज्यों को धन देती है और कोई बड़ी प्राकृतिक आपदा हो तो केंद्र सरकार विशेष दल भेजकर अतिरिक्त राशि भी देती है। चौहान ने कहा, ''केरल को भी एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा राहत कोष) के तहत 138 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए।

मैनपुरी में प्रेमी और प्रेमिका को सजा-ए-मौत

मैनपुरी (एजेंसी)। यूपी के मैनपुरी के करहल इलाके में पिछले साल छह मई को एक शख्स नरेंद्र की हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड की जांच में तीन लोगों के नाम सामने आए थे जिसमें कोर्ट में सुनवाई के दौरान दो लोगों को दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई है। दोनों दोषी का प्रेम संबंध है और दोनों प्रेमी प्रेमिका हैं। बता दें कि करहल थाने में बीते साल 6

मई 2024 को नरेंद्र की हत्या हुई थी जिसमें मुकदमा दर्ज हुआ था। इस केस में दोषी मानते हुए महिला मनु सहित अभय उर्फ भूरा को अपर जिला जज कोर्ट ने मृत्यु दंड की सजा सुनाई है। कोर्ट का फैसला आते ही दोनों दोषी फफक- फफक कर रोने लगे। इसकी जानकारी एडीजीसी राकेश गुप्ता ने दी है। करहल थाना क्षेत्र के गांव राउरी चमनपुरा निवासी नरेंद्र कुमार के गांव नानमई निवासी मनु देवी से प्रेम संबंध थे। प्रेम संबंध के कारण दोनों के बीच रुपए का लेनदेन भी चलता रहता था। पांच मई 2024 को मनु देवी ने बर्थडे पार्टी का बहाना करके नरेंद्र को अपने यहां बुलाया और इस बीच महिला का दूसरा प्रेमी अभय उर्फ भूरा भी वहां पहुंच गया। तभी मनु और नरेंद्र कुमार के बीच पैसे को लेकर विवाद होने लगा। जब बात बढ़ने लगी तो अभय और मनु ने मिलकर नरेंद्र की हत्या कर दी और उसके शव को गांव के पास के तालाब किनारे फेंक दिया।

'दुनिया जानेगी प्रयागराज महाकुंभ के सफल आयोजन की रणनीति'

योगी सरकार एक खास आयोजन करने वाली है

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में 10 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का मेला आयोजित हुआ था। इसकी सफलता पर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक खास आयोजन करने वाली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए कुशल प्रबंधन को जानने-समझने के लिए 19 मार्च को लखनऊ में सार्वजनिक स्वास्थ्य और जल शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया कि इस सम्मेलन में देश के जाने माने वैज्ञानिक, जल विशेषज्ञ, पर्यावरणविद और विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। पहली बार महाकुम्भ में स्वच्छता, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जो उपाय किए गए हैं। जो वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बने हैं।

योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग के सहयोग से महाकुम्भ में जल प्रबंधन, गंगा की स्वच्छता, आधुनिक तकनीक का उपयोग और आपदा प्रबंधन को सफलतापूर्वक लागू किया गया। इस सम्मेलन में सार्वजनिक स्वास्थ्य, जल संसाधन प्रबंधन और पर्यावरणीय संतुलन पर

चर्चा होगी। इसमें विशेषज्ञ बताएंगे कि कैसे आधुनिक तकनीकों और समन्वित प्रयासों से गंगा को स्वच्छ बनाए रखते हुए करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। बयान के मुताबिक, योगी सरकार ने नमामि गंगे मिशन के तहत गंगा को निर्मल और अविरल बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए। घाटों की सफाई, जलमल शोधन संयंत्र, जैविक शौचालयों और कचरा प्रबंधन प्रणाली को लागू किया गया। फलस्वरूप यह महाकुम्भ अब तक का सबसे स्वच्छ और दिव्य महाकुम्भ बन सका।

हिंदुओं के घरों को टारगेट कर किए गए हमले

औरंगजेब की कब्र की लड़ाई में सुलग उठा नागपुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागपुर में हिंसा, आगजनी और गदर के बाद हालात फिलहाल काबू में हैं लेकिन सियासी संग्राम तेज हो गया है। सोमवार रात हजारों की तादाद में निकले पत्थरबाजों ने नागपुर के महल इलाके में भारी गदर मचाया। चुन-चुनकर हिंदुओं के घरों और गाड़ियों को निशाना बनाया। इस बीच हिंसा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। प्री प्लांड तरीके से नागपुर में हिंसा की आग भड़काई गई। हिंदू संगठनों के प्रदर्शन को देखते हुए ट्रॉलियों में भर भर कर पत्थर जमा किए गए थे। पत्थरों से भरी ट्रॉली लेकर मुस्लिम समुदाय के लोग चिटनिस पार्क पर इकट्ठा हुए थे। पुलिस और हिंदुओं के घरों पर हमले की साजिश पहले से ही रच ली गई थी।

दंगाई अपने साथ में पत्थर, लाठी-डंडे, पेट्रोल बम लेकर पहुंचे और टारगेटेड घरों को टारगेट पर लिया। घटना का जो छ्रष्टञ्जङ्क फुटेज सामने आया है उसमें साफ दिख रहा है कि किस तरह से नागपुर शहर को जलाया गया, तोड़-फोड़ और पत्थरबाजी की गई यानि सब कुछ पहले से तय था। थोड़ी ही

देर में हजारों की भीड़ आ गई और हिंदू घरों को चुन-चुनकर निशाना बनाया गया।

नागपुर में सोमवार की रात हुई हिंसा के बाद पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और विधानसभा में भी इस पूरी घटना के कारण पर भी बात की है। आइए जानते हैं कि नागपुर में हिंसा क्यों भड़की, इससे कितना नुकसान हुआ और अब तक पुलिस ने इस मामले में क्या कुछ कार्रवाई की है।

नागपुर पुलिस ने हिंसा के मामले में अब तक 5 स्नढ्ढक्रदर्ज की हैं। जिन घरों पर, जिन वाहनों का नुकसान हुआ है, उसका पंचनामा शुरू कर दिया गया है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार 2 स्नढ्ढक्र गणेश पेठ थाने के तहत हुई हैं, तो वहीं, 3 स्नढ्ढक्र तहसील पुलिस थाने के अंतर्गत की गई हैं।

फर्जी मतदान रोकने के लिए चुनाव आयोग का बड़ा फैसला

वोटर आईडी से लिंक होगा आपका आधार कार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। फर्जी मतदान और फेक वोटर आईडी पर लगाम लगाने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। आयोग ने वोटर आईडी कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने का फैसला लिया है। अब देश के लोगों को अपनी वोटर आईडी को आधार कार्ड से लिंक करना पड़ेगा।

अधिकारियों के साथ बैठक में लिया गया बड़ा फैसला: जानकारी के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने आज निर्वाचन सदन में केंद्रीय गृह सचिव, विधायी विभाग के सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ और चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बैठक की। बैठक में निर्णय लिया गया कि वोटर आईडी कोर्ड को आधार कार्ड से

जोड़ने का काम संविधान के अनुच्छेद 326 के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, जल्द ही चुनाव आयोग और यूआईडीएआई के विशेषज्ञ आधार-वोटर कार्ड लिंकेज पर तकनीकी परामर्श शुरू करेंगे। इसके बाद लिंक करने का प्रोसेस शुरू किया जा सकता है।

चुनाव आयोग ने जारी किया ये बयान: चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, मतदान का अधिकार केवल भारत के नागरिक को दिया जा सकता है, लेकिन आधार केवल एक व्यक्ति की पहचान स्थापित करता है। इसलिए, यह निर्णय लिया गया कि मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) को आधार से जोड़ना केवल संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23 (4), 23 (5) और 23 (6) के प्रावधानों के अनुसार और सर्वोच्च न्यायालय के फैसले (2023 के) के अनुरूप किया जाएगा। आयोग ने कहा कि कानून मतदाता सूचियों को आधार डेटाबेस के साथ स्वैच्छिक रूप से जोड़ने की अनुमति देता है।

दिल्ली के पीतमपुरा में बुजुर्ग दंपत्ति की गला घोंटकर हत्या, घर से नौकर गायब

नई दिल्ल्री (एजेंसी)। दिल्ली में उत्तर पश्चिम जिले के पीतमपुरा के कोहाट एंक्लेव में बुजुर्ग दंपति की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। लूटपाट के बाद हत्या की आशंका है। कोहाट एनक्लेव के मकान नंबर 317 के

दूसरी मंजिल पर दंपति रहते थे। दोनों की निमुलाइजर की पाइप से गलाघोंट हत्या की गई है। जानकारी के मुताबिक आज सुबह करीब 10 बजे जब ड्राइवर घर पहुंचा तो घर का दरवाजा नही खुला तो ड्राइवर उनके ठीक बगल वाले मकान में दंपति के दोनों बेटे रहते है,उनसे जाकर बताया। जिसके बाद दंपति की पुत्र वधु ने ऊपर जाकर देखा तो दंपति मृत पड़े हुए थे। मृतक मोहिंद्र सिंह और उनकी पत्नी दिलराज कौर की उम्र करीब 70 साल थी। घर की तीसरी मंजिल पर अलग- अलग कमरों में दोनों के शव मिले है। पुलिस को शक है कि दो या तीन दिन पहले हत्या की गई है। घटना के बाद से घर का नौकर भी गायब है। मृतक के भाई चरणजीत सिंह ने बताया कि पहले केयर टेकर ने दो दिन पहले ही एक केयर टेकर को रखवाया था जो कि सिर्फ रात में घर पर दंपति की देखरेख के लिए रहता था।

हैप्पीनेस पर राष्ट्रीय सेमिनार 20 - 21 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य आनंद संस्थान द्वारा भोपाल में नेशनल सेमिनार ऑन हैप्पीनेस 20 और 21 मार्च 2025 को आयोजित किया जा रहा है। सेमिनार में मानसिक स्वास्थ्य और खुशहाली से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। चर्चा के लिये मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, समाजशास्त्रियों और नीति निर्माताओं को आमंत्रित किया गया है। सेमिनार में सभी अपने अनुभवों और शोध निष्कर्षों को साझा कर सकेंगे। इस आयोजन से आनंद के विविध आयामों एवं तत्वों पर केंद्रित विभिन्न विषयों पर गहन चिंतन के लिये मंच मिलेगा। प्रदेश में आनंद विभाग की स्थापना नागरिकों की खुशहाली एवं परिपूर्ण जीवन के लिए आंतरिक तथा बाह्य सकुशलता के लिये अगस्त 2016 में किया गया था। राज्य आनंद संस्थान नागरिकों की खुशहाली और मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के लिए सतत् कार्यरत है। संस्थान अपने विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और आनंदम गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों में सकारात्मकता और आत्मिक आनंद की भावना विकसित करने का प्रयास कर रहा है। इसी सिलसिले में आयोजित हो रहे नेशनल सेमिनार ऑन हैप्पीनेस में आतंरिक आनंद की अनुभूति बाह्य प्रभावों व भौतिक सुविधाओं के साथ आंतरिक आनंद को अनुभव करने के विधाओं पर चर्चा, आनंद से स्वास्थ्य आनंद और स्वास्थ्य के बीच संबंध, खुशहाल परिवार एवं कार्यस्थल परिवार में आनंदमयी वातावरण और कॉर्पोरेट तथा सरकारी संगठनों में आनंदमयी कार्य संस्कृति विकसित करने पर फोकस रहेगा।

श्योपुर में पर्यटकों को सहजता से मिलेगा चीता देखने का अवसर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। श्योपुर जिले के राष्ट्रीय कूनो उद्यान में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामनी और उसके चार शावकों को सोमवार को बाड़े से सफलतापूर्वक कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल के खजूरी वन क्षेत्र में छोड़ा गया। खजूरी वन क्षेत्र अहेरा पर्यटन जोन का एक हिस्सा है।पर्यटन क्षेत्र में चीतों की उपस्थिति से पर्यटकों को चीता देखने का अवसर मिलेगा। इससे पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कूनो राष्ट्रीय उद्यान संचालक सिंह परियोजना ने बताया है कि राष्ट्रीय कूनो उद्यान में चीता गामनी और उसके चार शावकों को खुले जंगल में छोड़ने के बाद अब कूनों पार्क में 17 चीते जिसमें 11 शावक शामिल हैं जो स्वच्छंद विचरण कर रहे हैं। अब बाड़े में 9 चीते शेष हैं, इनमें 3 शावक शामिल है। इस प्रकार कूनो नेशनल पार्क में कुल 26 चीते है, जो सभी पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं।

पोषण भी-पढ़ाई भी पर एक दिवसीय कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पोषण भी-पढ़ाई भी कार्यक्रम के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला बाल विकास विभाग के संभागीय संयुक्त संचालकों एवं जिला कार्यक्रम अधिकारियों के उन्मुखीकरण के लिये एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भोपाल के होटल रेडिसन में प्रात: 9:30 बजे किया जा रहा है। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया इस कार्यशाला का शुभारंभ करेंगी। केन्द्र सरकार के पोषण भी-पढाई भी कार्यक्रम के तहत प्रदेश की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकताओं को नेशनल करिकल्म फॉर अर्ली चाईल्डहूड केयर एण्ड एजुकेशन 2024 (आधारशिला) एवं नेशनल फ्रेमवर्क फॉर अर्ली चाईल्डहूड स्टीमूलेशन 2024 (नवचेतना) के अनुसार प्रशिक्षित किया जाएगा। दो चरणों में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 से 22 मार्च 2025 और 24 से 26 मार्च को होगा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करें - संभागायुक्त सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने आगामी ग्रीष्मकालीन मौसम को ध्यान में रखते हुए भोपाल संभाग के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग को तत्काल प्रभाव से हैंडपंपों की मरम्मत और उनकी क्रियाशीलता सुनिश्चित करने का आदेश दिया। इसके साथ ही जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित नल- जल योजनाओं की गहन समीक्षा करने और नगरीय निकायों के अधिकारियों को पेयजल, परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए कहा गया है ताकि नागरिकों को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े। संभागायुक्त श्री सिंह ने सोमवार को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में समय -सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त श्री विनोद यादव, राजस्व उपायुक्त श्रीमती किरण गुप्ता एवं सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सभी शासकीय स्कूलों में छात्रों के नेत्र परीक्षण के लिए शिक्षकों का जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह प्रशिक्षण स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित किया जाएगा जिससे प्रशिक्षित शिक्षक स्कूलों में प्रारंभिक नेत्र परीक्षण कर सकेंगे और आवश्यकतानुसार छात्रों को आगे की

जांच के लिए संदर्भित कर सकेंगे।

श्री सिंह ने %समाधान ऑनलाइन% कार्यक्रम के तहत लंबित शिकायतों पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 100 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता और संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। उन्होंने इस कार्य की दैनिक प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त संभागायुक्त श्री सिंह ने आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए रणनीति तैयार कर उस पर तेजी से काम करने के निर्देश दिए हैं। संभागायुक्त ने केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं, पीएम जनमन योजना और धरती आभा योजना के तहत चल रहे हितग्राहीमूलक और अधोसंरचनात्मक कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। उन्होंने इन योजनाओं के तहत स्वीकृत और संचालित कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत करने और आगामी सप्ताह में इनकी विस्तृत समीक्षा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान के निर्माणाधीन भवन का काम तेज गति से

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा भोपाल के भौंरी में 45 करोड़ रुपये लागत से सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान भवन निर्माण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। पिछले दिनों संस्थान के निदेशक श्री कैलाश वानखेड़े एवं विभागीय अधिकारियों ने निर्माण स्थल पहुँच कर भवन निर्माण की प्रगति की जानकारी ली। संस्थान की स्थापना का उद्देश्य शहरी निकायों की कार्य-प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और जन-भागीदारी के साथ विकास के लक्ष्य को हासिल किया जाना है। इसके लिये नगरीय निकायों के लोक सेवकों एवं निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के क्षमता संवर्धन के प्रशिक्षण नियमित रूप से आयोजित किये जा रहे हैं। वर्तमान में यह संस्थान शिवाजी नगर स्थित पालिका भवन परिसर में संचालित हो रहा है। संस्थान द्वारा वर्ष 2024-25 में अब तक 49 राज्य स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किये जा चुके हैं। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एक हजार से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसी के साथ केन्द्र सरकार की एकीकृत क्षमता संवर्धन योजना के अंतर्गत संस्थान द्वारा 18 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा चुके हैं। इन प्रशिक्षण में करीब 760 प्रतिभागियों की भागीदारी रही है। सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान के लिये भौरी में 10.12 हेक्टेयर भूमि राजाभोज अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के समीप प्रदान की गयी है। संस्थान में प्रशिक्षण भवन, लायब्रेरी, खेल प्रसाधन, स्मार्ट क्लॉस-रूम, अधिकारी-कर्मचारियों के लिये आवासीय इकाइयाँ और 4 हॉस्टल निर्मित किये जा रहे हैं।

संस्थान द्वारा आगामी वर्ष 2025-26 में लगभग 3 हजार निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों और मिशन कर्मयोगी परियोजना के अंतर्गत शासकीय लोक सेवकों को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन प्रशिक्षण दिये जाने का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। संस्थान में अब तक 611 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में करीब 27 हजार 400 प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में डिजिटल तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है।

तीन छात्रों को मिली सिद्धांत शास्त्री की डिग्री, जुलाई में होगा यूथ कन्वेंशन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के दीवानगंज स्थित तीर्थधाम ज्ञानोदय में तृतीय दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री जिनेन्द्र भगवान के मंगल प्रक्षालन और श्री सर्वज्ञ देव विधान से हुई। विधान के रचनाकार पंडित अभय कुमार जैन शास्त्री ने इसकी पृष्ठभूमि एवं विशेषताएं बताईं। इस दौरान यूथ कन्वेंशन जुलाई माह में आयोजित करने की घोषणा की गई। सभा की अध्यक्षता डॉ. शांतिकुमार पाटिल (जयपुर) ने की, जबकि दीक्षांत उद्बोधन डॉ. वीरसागर जैन (दिल्ली) ने दिया। उन्होंने कहा, दीक्षांत का अर्थ दीक्षा का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त संस्कृत विद्वान डॉ. नीलाभ तिवारी (केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय) ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप विश्व की अद्भुत धरोहर हैं, समाज और देश को आपसे मार्गदर्शन मिलेगा। समारोह के दौरान अभि जैन, अमन जैन, विशाल जैन को सिद्धांत शास्त्री की डिग्री प्रदान की गई। साथ ही, उन्हें संस्था की ओर से रजत पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत सभा का संचालन महाविद्यालय के प्राचार्य शुभम शास्त्री ने किया। स्वागत गीत दिव्यांश जैन (फिरोजाबाद) ने प्रस्तुत किया। ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। पंडित अभय जी शास्त्री (देवलाली) ने महाविद्यालय के उद्देश्यों और गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि विधायक शैलेन्द्र जैन ने ज्ञानोदय संकुल को अनूठा संस्थान बताया। विशिष्ट अतिथि अनूप कटारिया परिवार (इंदौर) ने नवनिर्मित सिंहद्वार का उद्घाटन किया। मंच पर पंडित रजनी भाई, पंडित अशोक लुहाड़िया, महेश शास्त्री, डॉ. योगेश, डॉ. नितिन, नीरज जय कोचिन, प्रताप शास्त्री सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक अरुण वर्धमान ने आगामी जुलाई माह में यूथ कन्वेंशन आयोजित करने की घोषणा की और सभी से सहभागिता की अपील की।

अंत में ट्रस्टी सुनील सर्राफ सागर ने आभार व्यक्त किया।महाविद्यालय के प्राचार्य शुभम शास्त्री ने कार्यक्रम का संचालन किया।

दिव्यांश जैन फिरोजाबाद ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

भोपाल पंजाबी समाज की सार्थक होली

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल पंजाबी समाज ने आसरा वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ सार्थक समय व्यतीत किया। वृद्धजनों ने समाज के सदस्यों के साथ बातचीत की और सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत-संगीत का आनंद लिया। समाज के अध्यक्ष संजीव सचदेव के नेतृत्व में वृद्धाश्रम को राशन सामग्री भेंट की गई। इसमें आटा, दाल और चावल शामिल थे। सचिव इंद्रपाल सिंह गुलाटी ने स्पीकर माइक दान किया। स्वीटी सेठी और संजय सेठी ने सभी बुजुर्गों को फुटवियर भेंट किए। वृद्धजनों को फल, फलों के पेय पदार्थ, बिस्किट, नमकीन, चिप्स, चॉकलेट, गुजिया और लड्डू जैसी खाद्य सामग्री भी दी गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष संजीव सचदेव, संरक्षक सरदार कुलदीप सिंह गुलाटी और लेडीज विंग की अध्यक्ष सविता शाह ने बुजुर्गों को संबोधित किया। इस सेवा कार्य में समाज

के कई प्रमुख सदस्य मौजूद रहे। इनमें महासचिव सरदार इंद्रपाल सिंह गुलाटी, केसर सिंह, मोहन सिंह कालरा, जसविंदर सिंह, गुरविंदर सिंह, संजय सेठी, आदर्श महाजन, सरदार गोरोवारा सहित रमन सिंह शाह शामिल हुए।

पेपरलेस बूथ की प्रक्रिया का प्रचार-प्रसार कराने नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को त्रिस्तरीय पंचायत उप चुनाव, नवीन प्रणाली %पेपरलेस बूथ के माध्यम से कराने की प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिये हैं।

उन्होंने कहा है कि इसके लिये जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी (सेंस) तथा मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त कर जानकारी जल्द भेजें। इनको राज्य स्तर पर प्रशिक्षण दिलाया जायेगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री श्रीवास्तव ने कहा है कि नवीन प्रणाली पेपरलेस बूथ की जानकारी से मतदाताओं, अभ्यार्थियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को परिचित कराया जाना अत्यंत आवश्यक है। इससे वे निर्वाचन के पूर्व नवीन मतदान प्रणाली से भली भांति परिचित एवं अभ्यस्त हो सकेंगे।

सभी एसडीएम गेहूं खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रभारी कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को टीएल बैठक में जिले के सभी अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों को उच्च प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह सभी एसडीएम एवं विभागीय अधिकारी लंबित शिकायतों की स्वयं मॉनीटरिंग कर शिकायतों का निराकरण कराए। कोई भी शिकायत बिना किसी कारण के फोर्स क्लोज न की जाए एवं पुअर डिस्पोजल शिकायतों को पुन: निराकृत किया जाए। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के

निर्देशानुसार सभी विभागों को सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में प्रदेश के टॉप 10 जिलों में शामिल रहने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए।

प्रभारी कलेक्टर श्री जैन ने सभी एसडीएम एवं जिला खाद्य नियंत्रक को निदर्शित किया कि प्रदेश सहित जिले में 15 मार्च से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी प्रारंभ हो गई है। इसके लिए जिले में बनाए गए सभी गेहूं खरीदी केन्द्रों पर पीने के लिए पानी, छाया के लिए टेंट एवं शौचालय की व्यवस्था के साथ आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। इसके साथ ही केन्द्रों पर लंबी - लंबी लाईनें न बनें, इसके साथ ही किसान भाईयों की समय पर गेहूं की तुलाई हो, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें। किसी भी स्थान पर लॉ इन आर्डर की स्थिति उत्पन्न न हो इसके लिए सभी एसडीएम अपने - अपने क्षेत्र के गेहूं खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण करें।

बैठक में एडीएम श्री भूपेंद्र गोयल, श्री अंकुर मेश्राम, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी, एसडीएम एवं संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

भोपाल में कलामंदिर का रस-रंग समारोह संपन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अखिल भारतीय कला मंदिर संस्था का होली उत्सव 'रस-रंग' समारोह विश्व संवाद केंद्र, शिवाजी नगर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि होली सिर्फ रंगों का नहीं, बल्कि समरसता और उल्लास का पर्व है। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन और अतिथि स्वागत से हुई, जिसके बाद संस्था की नवीन कार्यकारिणी की शपथ विधि संपन्न हुई। इसके पश्चात आमंत्रित कलाकारों और मंडलियों ने होली गीतों और फाग की शानदार प्रस्तुतियां दीं। संस्था अध्यक्ष डॉ. गौरीशंकर शर्मा 'गौरीश' ने 'मंदिर में होली खेलें रसिया, कला मंदिर में' गीत गाकर समां बांध दिया।खुशी विजयवर्गीय ने सरस्वती वंदना संग होली गीत गाया, जबकि डॉ. सुधा दुबे, मंजु श्रोती, सुनीता तिवारी, उमा रावत सहित कई कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। बुंदेली

होली की मिठास में आशा श्रीवास्तव, मंजुला श्रीवास्तव, पुष्पा भदौरिया, प्रभा रावत की प्रस्तुति को खूब सराहना मिली।

डॉ. नीता खरे और महिमा वर्मा ने ब्रज और शिव होली के गीत सुनाकर माहौल भक्तिमय कर दिया। पुष्प लता शर्मा और साथियों ने 'फागुन के महीना रंगीले घरे नैया छैला छबीले' तथा 'खेलें मसाने में होली दिगंबर' गाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। डॉ. वंदना मिश्र, नीता खरे और महिमा वर्मा ने 'होली खेले रे सांवरिया, डालो समरसता के रंग' स्वरचित गीत प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि विष्णु राजोरिया (अध्यक्ष, मध्यप्रदेश परशुराम कल्याण बोर्ड) ने फागुन मास और होली के पौराणिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गौरीशंकर शर्मा 'गौरीश' (राष्ट्रीय अध्यक्ष, कला मंदिर) ने की। इस मौके पर वृक्षमित्र सुनील दुबे, कार्यकारी अध्यक्ष हरिवल्लभ शर्मा 'हरि', वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. वंदना मिश्र सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

विंध्य एकता परिषद के होली मिलन समारोह में बड़ी घोषणा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के मयूर पार्क में रविवार को विंध्य एकता परिषद का होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भोपाल दक्षिण पश्चिम के विधायक भगवानदास सबनानी ने एक बड़ी घोषणा की। कलाकारों ने दी बघेली फाग की विशेष प्रस्तुति। परिषद की प्रदेशाध्यक्ष वंदना द्विवेदी ने समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। विधायक सबनानी ने समाज की लंबे समय से चली आ रही एंबुलेंस की मांग को पूरा करने का वादा किया। कार्यक्रम में बघेली फागों की प्रस्तुतियों ने विशेष आकर्षण का केंद्र बना। महिला मंडलियों ने अपनी प्रस्तुतियों से समा बांध दिया। परिषद के महासचिव आर के सिंह बघेल ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन और संयोजन आर के त्रिपाठी ने किया। समारोह में कई गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इनमें डॉक्टर लालजी मिश्रा, विनोद कुमार चतुर्वेदी, महेंद्र शर्मा, सुनील पांडेय और प्रमोद उपाध्याय प्रमुख थे। प्रमुख महिला सदस्यों में बबली सिंह, प्रियंका पांडेय और कृष्णा पटेल मौजूद रहीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार और विंध्य वासी भी शामिल हुए।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 5 मई तक-खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीदी 15 मार्च से शुरू हो चुकी है। समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी 5 मई तक की जायेगी। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये के अलावा किसानों को 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस भी देगी। इस बार 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा जाएगा। किसानों गेहूं बेचने के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग करनी होगी। साथ ही जिन किसानों ने गेहूं उपार्जन के लिए अभी तक पंजीयन नहीं कराया है, वे 31 मार्च 2025 तक करवा सकते हैं। खरीदी केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए टेंट, बैठने की व्यवस्था, पानी, पंखे, तौल मशीन और कंप्यूटर जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

भोपाल के राधारमण इंस्टीट्यूट में विशेष व्याख्यान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के राधारमण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल विभाग की ओर से %ऊर्जा उत्पादन एवं वितरण में प्रगति% विषय पर विशेष व्याख्यान रखा गया। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के प्रबंधक सतीश चंद्र तिवारी ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्रों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे नवीनतम नवाचारों की जानकारी दी। साथ ही ऊर्जा भंडारण, वितरित ऊर्जा संसाधनों और पावर सेक्टर में तकनीकी विकास पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में राधारमण समूह की ओर से ग्रुप डायरेक्टर डॉ. पी.के. लाहिरी, डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह और डॉ. सबीना मुबीन मौजूद रहे। समूह के चेयरमैन आर.आर. सक्सेना ने कहा कि संस्थान तकनीकी शिक्षा को उद्योग-उन्मुख बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। चेयरमैन ने आगे कहा कि यह व्याख्यान छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने में मददगार साबित होगा। भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे छात्र उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप खुद को तैयार कर सकेंगे।

करंट लगने से युवक की मौत

बकरियों के लिए पत्तियां काटने बबूल के पेड़ पर चढ़ा था

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के जमोड़ी थाना क्षेत्र के बार्ड-08 मधुरी कोठार निवासी राहुल पाल (22) की बिजली के करंट से मौत हो गई है। वह जगदीश तिवारी के खेत में बकरियों के लिए पत्तियां काटने बबूल के पेड़ पर चढ़ा था। पेड़ के ऊपर से गुजर रही 33 हजार केवी की हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बिजली कंपनी पर लापरवाही का आरोप: स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्युत कंपनी की लापरवाही इस हादसे का मुख्य कारण है। उन्होंने बताया कि नीचे लटक रहे हाई वोल्टेज तारों की शिकायत पहले भी कई बार की गई थी। लेकिन कंपनी ने कोई ध्यान नहीं दिया।

घंटों तक पेड़ पर लटका रहा शव: घटना के बाद युवक का शव कई घंटों तक पेड़ पर लटका रहा। प्रशासन और पुलिस की देरी से आम लोगों में रोष बढ़ता गया। जमोड़ी थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

बिजली कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग: ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि खतरनाक बिजली के तारों की मरम्मत जल्द की जाए। साथ ही दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई हो। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो वे आंदोलन करेंगे।

फीस नहीं भरी, तीसरी की छात्रा को परीक्षा से रोका

सिंगरौली के निजी स्कूल की घटना, शिक्षा विभाग ने शुरू की जांच

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में एक निजी स्कूल ने फीस नहीं जमा करने पर तीसरी कक्षा की छात्रा को परीक्षा में बैठने से रोक दिया। यह घटना राजीव गांधी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, पडैनिया की है।

छात्रा श्रेया दुबे के पिता बृजेश दुबे ने बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले क्लास टीचर लक्ष्मी मिश्रा ने कुछ दस्तावेज मांगे थे। इसे देने में देरी होने पर टीचर ने बच्ची के बाल खींचकर प्रताड़ित किया था। इस घटना की शिकायत स्कूल संचालक सुनील सिंह से की थी।

स्कूल संचालक ने घर आकर माफी मांगी और 14,000 रुपए की फीस जमा करने को कहा। पिता ने सोमवार को 5,000 रुपए जमा करने और शेष राशि 30 मार्च तक देने का प्रस्ताव रखा, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने पूरी फीस एक साथ जमा करने की मांग की।

फीस जमा नहीं होने पर स्कूल ने छात्रा को परीक्षा में बैठने से रोक दिया। इस कारण उसका एक साल बर्बाद हो गया। मामले की शिकायत मिलने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी एसबी सिंह ने कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

ओबीसी महासभा का प्रदर्शन

मेला ग्राउंड से कलेक्ट्रेट तक निकाला पैदल मार्च, 27% आरक्षण और अटके नियुक्ति पत्रों की मांग

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। ओबीसी महासभा ने मंगलवार को छतरपुर में अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन के सैकड़ों सदस्यों ने शहर के मेला ग्राउंड से कलेक्ट्रेट तक एक विशाल पैदल मार्च निकाला और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महासभा के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा और चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ही ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

27% आरक्षण लागू करने की प्रमुख मांग: ओबीसी महासभा के इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27% आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू करवाना और न्यायालय में लंबित 13% आरक्षण पर लगी रोक (होल्ड) को हटवाना है। इसके साथ ही, संगठन ने पिछड़ा वर्ग के जिन चयनित विद्यार्थियों की नियुक्तियां आरक्षण संबंधी कानूनी अड़चन के कारण रुकी हुई हैं, उन्हें तुरंत जॉइनिंग देने की भी पुरजोर मांग की।

जाति जनगणना और किसानों के लिए उचित मूल्य की गारंटी की मांग: प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से देशव्यापी जाति जनगणना कराने और जनसंख्या के अनुपात में सभी वर्गों को हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की मांग उठाई। इसके अतिरिक्त, किसानों के हितों की रक्षा करते हुए उनकी फसलों के उचित मूल्य की गारंटी देने की भी मांग ज्ञापन में शामिल की गई।

बुजुर्ग की हत्या में पांच आरोपी गिरफ्तार

बेटे और दामाद से बहस होते देख बीच-बचाव करने गए थे, तभी आरोपियों ने डंडे से मारा था

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के शाह नगर थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग की हत्या के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 14 मार्च की शाम की है। अरथाई गांव निवासी अरुण चौधरी अपने जीजा धर्मेंद्र के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे।

रास्ते में पुलिया के पास ग्राम टूडा के तीन लोगों ने उन्हें रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उनके दो और साथी आ गए और सभी ने मिलकर मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर अरुण के पिता डरू चौधरी बीच-बचाव करने पहुंचे। इसी दौरान एक आरोपी ने डरू के सिर पर डंडा मार दिया। गंभीर चोट के कारण वे वहीं बेहोश हो गए और

इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

शाहनगर थाना प्रभारी मनोज यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 17 मार्च को ग्राम टूडा के पास से पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में हिमांशु राय (24), सत्यम राय (24), विजय शंकर राय (33), अमन (29) और विष्णु राय (29) शामिल हैं। सभी आरोपी ग्राम टूडा के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

नशे में डॉक्टर ने लगाया गलत इंजेक्शन

9 साल की बच्ची के पैर में हुआ इंफेक्शन, पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में चिकित्सकीय लापरवाही का मामला सामने आया है। चंदपुरा पहाड़िया की 9 वर्षीय नताशा के पैर में चमची से मामूली चोट लगी थी। प्रारंभिक इलाज डॉक्टर सतीश चौबे से करवाया गया, जिससे स्थिति में सुधार होने लगा था। इसके बाद एक पड़ोसी डॉक्टर ने 10 हजार रुपए में इलाज का आश्वासन दिया।

बच्ची की मां सलम्बा आदिवासी ने कर्ज लेकर इलाज के पैसे दिए। डॉक्टर ने नशे की हालत में बच्ची को इंजेक्शन लगाया। इससे बच्ची के पूरे शरीर में इन्फेक्शन फैल गया। उसका एक पैर बुरी तरह प्रभावित हो गया। पन्ना जिले के अजयगढ़ में जन स्वास्थ्य संरक्षक डॉ. पान सिंह यादव का कहना है कि उन्होंने 2 हजार रुपए में इलाज शुरू किया था। उनका आरोप है कि परिवार ने बीच में ही इलाज रोक दिया, जिससे इन्फेक्शन बढ़ गया।

पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की: पीड़ित परिवार ने मंगलवार की सुबह सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया। पांच घंटे तक बैठने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। थाना प्रभारी बाल्मीक चौबे ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है। सीएमएचओ आरपी गुप्ता ने भी जांच करने की बात कही है।

निजी जमीन पर दबंगों ने किया कब्जा

59 आवेदकों ने अनूपपुर कलेक्टर से जनसुनवाई में शिकायत

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मंगलवार को जनसुनवाई की। इस दौरान 59 आवेदन पत्र आए। कलेक्टर ने अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

डोंगरिया कलां की ऊषा बाई ने अपनी निजी भूमि पर स्थगन आदेश के बावजूद दबंगों द्वारा अवैध निर्माण की शिकायत की। बकेली की छितिया बाई ने बीपीएल राशन कार्ड की मांग रखी। जैतहरी की पिंकी राठौर ने मोजर-बेयर कंपनी में रोजगार की गुहार लगाई।

पयारी गांव के अमृतलाल ने निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना की सहायता राशि की मांग की। नगर परिषद डोला के अनिल कुमार पाव ने बकरी पालन के लिए बैंक ऋण और अनुदान राशि का आवेदन दिया। अनूपपुर के दशरथ प्रसाद राठौर ने बेचे गए धान की राशि दिलाने की मांग की।

कोतमा के लक्ष्मी नारायण पटेल ने मुद्रा योजना के तहत ऋण की मांग की। कदम टोला के अमृतलाल पटेल ने जाति प्रमाण पत्र बनवाने का आवेदन दिया।

चना, मसूर और सरसों की फसल के पंजीयन की आखिरी तारीख 21 मार्च

सीधी 18 मार्च 2025

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी देकर बताया है कि रबी मौसम 2025 में किसानों को चना, मसूर और सरसों फसल की उपज शासन के समर्थन मूल्य पर विक्रय के लिए किसानों के पंजीयन की अवधि 17 मार्च तक निर्धारित की गई थी जिसे बढ़ाकर अब 21 मार्च कर दिया गया है। साथ ही उपार्जन अवधि 25 मार्च से 31 मई तक प्रस्तावित की गई है। शासन द्वारा रबी वर्ष 2024-25 में चना फसल 5650 रूपए, मसूर 6700 रूपए और सरसों का 5950 रूपए

नर्सिंग छात्रा को नहीं मिली फीस वापस

एसवीएन कॉलेज ने 3 साल में नहीं कराई परीक्षा, 58 हजार रुपये के लिए कलेक्टर से लगाई गुहार

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर की 25 वर्षीय छात्रा आरती पटेल ने स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय पर फीस वापस न करने का आरोप लगाया है। मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंची आरती ने बताया कि उसने 2022 में सटई रोड स्थित कॉलेज में जीएनएम नर्सिंग में प्रवेश लिया था। आरती ने कुल 58 हजार रुपये फीस जमा की थी। इसमें 18 हजार और 20 हजार रुपये की दो किस्तें शामिल थीं। फीस की रसीद गौरभ सर के पास जमा कराई गई थी।

महाविद्यालय ने पिछले तीन वर्षों में एक भी परीक्षा का आयोजन नहीं किया। इस कारण कॉलेज ने अन्य सभी छात्रों की फीस वापस कर दी। लेकिन आरती को अभी तक उसकी फीस नहीं लौटाई गई है। छात्रा का आरोप है कि जब उसने कॉलेज प्रबंधन से फीस वापसी की मांग की, तो उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। अब उसने कलेक्टर से अपनी फीस वापस दिलाने की गुहार लगाई है।

युवा संगम में 179 आवेदकों का प्राथमिक चयन किया गया

सीधी। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, आई.टी.आई. सीधी एवं जिला रोजगार कार्यालय सीधी (म.प्र.) के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 18 मार्च 2025 को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी के परिसर में एक दिवसीय ''युवा संगम'' संयुक्त रूप से रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया गया। मेले में देश/प्रदेश एवं स्थानीय स्तर से निजी क्षेत्र की 06 कंपनियों ने भाग लिया जिसमें 205 युवक एवं युवतियों ने अपना पंजीयन कराया एवं 179 आवेदकों का प्राथमिक चयन किया गया। चयनित 04 आवेदकों का प्रदीप शुक्ला जिला पंचायत सदस्य के द्वारा ऑफर लेटर प्रदान किये गये। स्वरोजगार से संबंधित विभाग जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सीधी, म.प्र. ग्रामीण आजीविका मिशन, ट्रायवल सीधी, उद्यानिकी सीधी ने अपने विभागों में चलने वाली स्वरोजगार योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाकर आवेदकों को स्वरोजगार संबंधी जानकारी दी।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर ने सुनी 98 आवेदकों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

समस्या का त्वरित निराकरण होने पर दीन मोहम्मद खुश और संतुष्ट दिखे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 98 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुनवाई में जनपद पंचायत सिहावल के ग्राम बिठौली से आये दीन मोहम्मद ने अपने आवेदन पत्र के माध्यम से बताया कि पोलियों के कारण दोनों पैरों से दिव्यांग होने के कारण चल नहीं पाता यदि ट्राइसाइकिल मिल जाए तो समस्या का निराकरण हो जाये। अपर कलेक्टर ने शिकायत का तत्काल निराकरण सामाजिक न्याय विभाग से कराया। साथ ही उनकी शारीरिक की स्थिति को देखते हुए दीन मोहम्मद को ट्राई साइकिल प्रदान कराई। आज समस्या का त्वरित निराकरण होने पर दीन मोहम्मद सिंह खुश और संतुष्ट दिखे। साथ ही दीन मोहम्मद ने कहा कि पहले जो ट्राई साइकिल प्राप्त हुई थी वह अब जर्जर हो गई है। जनसुनवाई में पहुंचने पर मुझे व्हीलचेयर से अपर कलेक्टर के पास ले जाया गया और उन्होंने हमारी समस्या को गंभीरता से सुना और तत्काल निराकरण कराया इसके लिए मैं उनका धन्यवाद देता हूं।

इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित

युवा संगम रोजगार मेले का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्रधानमंत्री कालेज ऑफएक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी एवं क्रीड़ा विभाग के द्वारा जिला स्तरीय ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। उक्त कैंप में जिले के संजय गांधी महाविद्यालय, शासकीय कन्या महाविद्यालय , टाटा कॉलेज , कमला कॉलेज के 63 छात्र-छात्राओं ने पंजीयन कराया जिसमें से 30 छात्रों ने रक्तदान किया।

इस ब्लड डोनेशन कैंप में जिला चिकित्सालय से डॉ. अतुल पाण्डेय, डॉ. अमन ने अपनी टीम के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. रविंद्र सिंह, डॉ. दिलीप सोनी, डॉ. अंकिता सोनी, डॉ .प्रतिमा कॉल, अजय कुमार, राघवेंद्र द्विवेदी, सौरभ सिंह, आलोक सिंह, मंगलेश्वर गुप्ता, सृष्टि गुप्ता उपस्थित रहे।

1 साल से पानी की टंकी तैयार, लेकिन गांव में नहीं बिछी पाइपलाइन, लोग हैंडपंप से ला रहे पानी

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर जिले में जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति से लोग परेशान हैं। जैतहरी जनपद के ग्राम पंचायत पोंड़ी में एक साल पहले पानी की टंकी का निर्माण पूरा हुआ। लेकिन अभी तक पाइप लाइन नहीं बिछाई गई।

हैंडपंप से पानी लाने को मजबूर लोग: वर्तमान में ग्रामीण दूर-दराज के हैंडपंप से पानी लाने को मजबूर हैं। हैंडपंप खराब होने पर यह समस्या और गंभीर हो जाती है। गर्मी के मौसम में पानी की कमी विकट रूप धारण कर लेती है।

ठेकेदार की लापरवाही से काम अधूरा: पंचायत ने ठेकेदार को हर घर तक नल से जल पहुंचाने का जिम्मा दिया था। लेकिन न तो पाइप लाइन का काम पूरा हुआ और न ही परीक्षण किया गया। पंचायत भी इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। ग्राम के मुन्ना सिंह अहिरवार ने बताया कि पीएचई विभाग से नल जल योजना की स्वीकृति मिलने के बाद टंकी का निर्माण हुआ।

निर्वाचन नामावली की शुद्धता एवं नाम परिवर्धन-निरसन के लिए राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित

निर्वाचक नामावली एवं निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित सुझाव लिए गए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलेश शर्मा की अध्यक्षता में निर्वाचक नामावली एवं निर्वाचन प्रक्रिया आदि से संबंधित सुझाव आमंत्रित करने के लिए आयोजित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक में बीएलओ के माध्यम से वोटर आईडी कार्ड का वितरण, वोटर लिस्ट में सरनेम लिखे जाने, वोटर आईडी कार्ड को आधार से लिंक किये जाने आदि महत्वपूर्ण सुझाव आये।

संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने कानून ढांचे के अंतर्गत चुनावी प्रक्रियाओं को और अधिक मजबूत बनाने के राजनैतिक दलो से सुझाव आमंत्रित किये गये है। इसी क्रम में जिला स्तर पर सुझाव प्राप्त करने के लिए बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में प्राप्त सुझावों को संकलित कर आयोग को प्रेषित किया जायेगा।

इस अवसर पर सुझाव दिये गये कि वोटर आईडी कार्ड का वितरण पोस्ट आफिस के माध्यम से न कराकर बीएलओ से कराया जायें जिससे सुविधाजनक तरीके से मतदाता को वोटरकार्ड प्राप्त हो सके। फोटोयुक्त मतदाता सूची तैयार करते समय मतदाता के नाम के साथ सरनेम लिखने, वोटर आईडी कार्ड को आधार कार्ड एवं समग्र से लिंक करने तथा आयु एवं अन्य डाटा उसी से लिये जाने का सुझाव दिया गया जिससे वोटर आईडी में त्रुटि न हो। इसके अलावा मतदाता सूचियों के प्रकाशन के समय राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराई जाने वाली वोटर लिस्ट सीडी की अपेक्षा पेनड्राइव में दिये जाने का सुझाव भी दिया गया

संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 01 जनवरी की अर्हता तिथि के आधार पर फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अनुसार जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में 10 लाख 45 हजार 172 मतदाता सूची में शामिल है जिसमें 5 लाख 41 हजार 399 पुरूष मतदाता, 5 लाख 3 हजार 766 महिला मतदाता एवं 07 अन्य शामिल है। जिले का जेण्डर रेशियों 930.49 तथा ईपी रेशियो 58.08 प्रतिशत है। विधानसभा क्षेत्र चुरहट में 2 लाख 69 हजार 381 मतदाताओं में 1 लाख 39 हजार 763 पुरूष मतदाता, 1 लाख 29 हजार 616 महिला मतदाता एवं 2 अन्य तथा जेण्डर रेशियों 927.4 व ईपी रेशियो 57.97 शामिल है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र सीधी में 2 लाख 61 हजार 777 मतदाताओं में 1 लाख 35 हजार 127 पुरूष मतदाता, 1 लाख 26 हजार 647 महिला मतदाता एवं 3 अन्य तथा जेण्डर रेशियों 937.2 एवं ईपी रेशियो 56.38, विधानसभा क्षेत्र सिहावल में 2 लाख 57 हजार 254 मतदाताओं में 1 लाख 34 हजार 803 पुरूष मतदाता, 1 लाख 22 हजार 449 महिला मतदाता एवं 2 अन्य तथा जेण्डर रेशियों 908.4 एवं ईपी रेशियो 58.01 तथा विधानसभा क्षेत्र धौहनी में 2 लाख 56 हजार 760 मतदाताओं में 1 लाख 31 हजार 706 पुरूष मतदाता एवं 1 लाख 25 हजार 54 महिला मतदाता तथा जेण्डर रेशियो 949.5 एवं ईपी रेशियो 59.97 शामिल है।

इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी चुरहट शैलेश द्विवेदी, सहायक संचालक जनसंपर्क मुकेश मिश्रा सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में सीपीएम से सुंदर सिंह, भाजपा से अमित प्रधान, कांग्रेस से अखंड प्रताप सिंह, बीएसपी से रामचरण विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

विकसित भारत युवा संसद के जिला स्तरीय प्रतियोगिता का एपीएस विवि में 20-21 को होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विकसित भारत युवा संसद - 2025 का अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में होगा आयोजन अवधेश प्रताप सिंह वि.वि.रीवा मे भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नेहरू युवा केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जायेगा। जिला स्तरीय आयोजन हेतु नोडल जिले के रूप में रीवा का चयन किया गया है जिसके अंतर्गत रीवा, सीधी, सिंगरौली एवं मऊगंज के युवा सहभागिता करेंगे। विकसित भारत 2047 को दृष्टिगत रखते हुए विकसित भारत युवा संसद राष्ट्रीय हित के मुद्दो पर विचार विमर्श का अवसर प्रदान करता है।

प्रथम चरण में सहभागिता हेतु माय भारत पोर्टल के माध्यम से प्रतिभागियो का पंजीकरण कर वीडियों अपलोड 16 मार्च 2025 किए गए। समय सीमा में प्राप्त वीडियो का अवलोकन कर वि.वि. द्वारा गठित समिति नोडल केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले जिलो से कुल 150 प्रतिभागियो का चयन जिला स्तर के लिए किया गया है। ये चयनित प्रतिभागी जिला स्तर पर अ.प्र.सिंह वि.वि. रीवा मे 20-21 मार्च 2025 को आयोजित होने वाले फिजिकल राउंड में "एक राष्ट्र एक चुनाव - विकसित भारत के लिए प्रशस्त करना" विषय पर अपना विचार रखेगे। प्रत्येक प्रतिभागी को 3 मिनट का समय दिया जाएगा 7 जिसका विषय एक राष्ट्र एक चुनाव⚠विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करना होगा।

कार्यक्रम स्थल विवि परिसर के कौशल भवन (प्रबंधन एवं मनोविज्ञान विभाग विवि) के सभागार में होगा।

|| विचार ||

नेताओं के वादों में नहीं है प्रदूषण की समस्या का निदान

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् सुदंरलाल बहुगुणा ने कहा था कि प्रकृति हर व्यक्ति की ज़रूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त प्रदान करती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच को पूरा नहीं करती। बहुगुणा का कहना था कि प्रकृति का अंधाधुंध दोहन करके हम अपनी अर्थव्यवस्था को किसी भी ऊंचाई पर पहुंचा सकते हैं, तो हम नीचे से अपनी जमीन को खिसका रहे हैं। वर्ल्ड एयर क्वालिटी 2024 की रिपोर्ट बहुगुणा के पर्यावरण को लेकर दिए गए बयान को सही साबित करती नजर आ रही है। इस रिपोर्ट मे सबसे ज्यादा 20 प्रदूषित शहरों में दिल्ली समेत राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र के कई शहर भी शामिल हैं। भारत के 13 शहरों की हालत सर्वाधिक खराब है। जिस मेघालय के बारे में हरी-भरी वादियों और खूबसूरत प्राकृतिक नजारों के सुरम्य स्थलों की कल्पना की जाती थी, उसका बर्नीहाट सबसे प्रदूषित शहर है। बर्नीहाट में प्रदूषण का उच्च स्तर स्थानीय कारखानों, जैसे शराब निर्माण, लोहा और इस्पात संयंत्रों से निकलने वाले उत्सर्जन के कारण है। पड़ोसी देशों में पाकिस्तान के चार शहर और चीन का एक शहर भी इस सूची में हैं। स्विट्जरलैंड की एयर क्वालिटी टेक्नोलॉजी कंपनी आईक्यूएयर की वर्ल्ड एयर क्वालिटी की इस रिपोर्ट में भारत 2024 में दुनिया का 5वां सबसे प्रदूषित देश बन गया है, जो 2023 में तीसरे स्थान पर था। देश के 35 प्रतिशत शहरों में पीएम 2.5 का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सीमा 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से 10 गुना अधिक है। दिल्ली में स्थिति और भी गंभीर है, जहां वार्षिक औसत पीएम 2.5 सांद्रता 2023 में 102.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से बढ़कर 2024 में 108.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हो गई। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में 2024 में पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोन से छोटे प्रदूषण कण) की सांद्रता में 7 प्रतिशत की कमी आई है, जो 2023 में 54.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से घटकर 50.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हो गई। दिल्ली में वायु प्रदूषण साल भर एक गंभीर समस्या बना रहता है, जो सर्दियों में और भी खतरनाक हो जाता है। प्रतिकूल मौसम, वाहनों से निकलने वाला धुआं, धान की पराली जलाना, पटाखों का धुआं और अन्य स्थानीय स्रोत हवा की गुणवत्ता को खराब करते हैं। पीएम 2.5 कण फेफड़ों और रक्तवाहिकाओं में प्रवेश कर सांस की बीमारियों, हृदय रोग और कैंसर का कारण बन सकते हैं। औद्योगिक उत्सर्जन, वाहनों का धुआं और पराली जलाने जैसे स्त्रोतों पर सख्त नियंत्रण के बिना स्थिति में सुधार मुश्किल है। शीर्ष 20 सबसे प्रदूषित शहरों में भारत से बर्नीहाट (मेघालय), दिल्ली, मुल्लांपुर (पंजाब), फरीदाबाद, गुरुग्राम (हरियाणा), लोनी, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश), गंगानगर, भिवाड़ी और हनुमानगढ़ (राजस्थान) शामिल हैं।

आखिर कांग्रेसी क्यों कर रहे हैं भाजपा का काम?

लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में मिली पराजय के बाद कांग्रेस की हालत खस्ता है। पार्टी ने अपने बलबूते आखिरी बार 1984 में केंद्र में प्रचंड बहुमत से सरकार बनाई थी। उसके बाद कांग्रेस ने दिवंगत पी.वी. नरसिम्हा राव (1991-96) और दिवंगत डा. मनमोहन सिंह (2004-14' के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार चलाई। परंतु अब कांग्रेस की स्थिति जितना सोचा था, उससे कहीं अधिक बदत्तर है। गत 8 मार्च को गुजरात पहुंचे कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी अपने ही नेताओं पर भड़क गए और कहा, ''कांग्रेस में नेताओं की कमी नहीं है,बब्बर शेर हैं, मगर पीछे चेन लगी हुई है। अगर हमें सख्त कार्रवाई करनी पड़ी, 40 लोगों को निकालना पड़ा तो निकाल देना चाहिए। भाजपा के लिए अंदर से काम कर रहे हैं।'' आखिर राहुल का अपनी पार्टी के नेताओं पर इस अविश्वास का कारण क्या है।

निन्संदेह, कांग्रेस समर्थकों-हितैषियों के लिए यह चिंतन और चिंता का विषय है कि आम जनता के साथ कांग्रेस का एक वर्ग भी न केवल भाजपा-संघ की नीतियों से प्रभावित है, बल्कि उसके लिए अंदरखाते से काम भी कर रहा है। वास्तव में, राहुल और उनके सलाहकार पार्टी के संकट को समझने में बार-बार चूक कर रहे हैं। कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या उसके नेतृत्व की अस्थिरता, दिशाहीनता और जनभावना से भीषण कटाव है। कांग्रेस सनातन संस्कृति के प्रति अपनी प्रत्यक्ष-परोक्ष घृणा प्रदर्शित करके भाजपा संघ से अलग पहचान बना रही है। इसके लिए पार्टी नेतृत्व हिंदुओं को जातियों में बांटने और मुसलमानों को इस्लाम के नाम एकजुट रखने की विभाजनकारी राजनीति से भी गुरेज नहीं करता।

बीते दिनों कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे का 'गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर नहीं होती, संबंधित बयान इसी मानसिकता से जनित है। यह बात अलग है कि कि कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और सचिव पायलट सहित कई कांग्रेसी नेता महाकुंभ में स्नान करते दिखे और इनमें कुछ ने राजनीति से ऊपर उठ कर इतने विशाल आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की प्रत्यक्ष-परोक्ष प्रशंसा भी की। इससे कांग्रेस नेतृत्व और बेचैन हो गया।

वैचारिक-राजनीतिक कारणों से राहुल गांधी इस हद तक मोदी-विरोध में चूर हो चुके हैं कि वे अपने वक्तव्यों से भारत के आत्मसम्मान, देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा के साथ वैश्विक कूटनीति में राष्ट्रीय हितों को भी दांव पर लगाने से परहेज नहीं कर रहे है। बीते दिनों लोकसभा में राहुल ने बेतुका दावा किया कि विदेश मंत्री जयशंकर बार-बार अमरीका इसलिए गए ताकि प्रधानमंत्री मोदी को ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया जा सके। क्या यह वर्तमान विपक्ष की सबसे ओछी राजनीति नहीं है। जब अमरीका में ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा हुई, तो उसे कांग्रेसी सांसद और पूर्व विदेश राज्यमंत्री शशि थरूर ने आशाजनक बताया। यह भी कांग्रेस नेतृत्व को चुभ गया।

यह कोई पहली बार नहीं है। वर्ष 2018 में राहुल ने राफेल प्रकरण पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति के नाम पर एक बेबुनियाद दावा किया था, जिसका खंडन खुद फ्रांसीसी सरकार को करना पड़ा। 2017 में जब डोकलाम में भारत चीनी उकसावे का प्रतिकार रहा था, तब राहुल गुप्त तौर पर चीनी राजदूत से मिलने चले गए। अपने हालिया विदेशी दौरों में राहुल कई बार इस बात पर असंतुष्ट हो चुके हैं कि अमरीका, यूरोप अब भारत के आंतरिक मामलों पर कुछ नहीं बोलता। कई अवसरों पर राहुल भारत को राष्ट्र के बजाय राज्यों का संघर्ष बता चुके हैं। राहुल की यह मानसिकता उन विदेशी विचारधाराओं के अनुरूप है, जिसमें देश की मूल सनातन संस्कृति, पहचान और इतिहास के प्रति हीन-भावना और भारत को राष्ट्र नहीं मानने का चिंतन है।

ऐसे ही मानस से ग्रस्त होने के कारण राहुल जाने-अनजाने में किस प्रकार भारत-विरोधी शक्तियों को मौका दे रहे है, यह उनके सितंबर 2024 के अमरीका दौरे में इस बयान से स्पष्ट है। तब उन्होंने कहा था, ''लड़ाई इस बात की है कि एक सिख होने के नाते क्या उन्हें भारत में पगड़ी, कड़ा पहनने या गुरुद्वारा जाने की अनुमति मिलेगी' इसे आधार बनाकर अमरीका-कनाडा स्थित खालिस्तानी चरमपंथियों ने भारत के खिलाफ जहर उगलना शुरू कर दिया। हाल ही में राहुल ने यहां तक कह दिया कि कांग्रेस की लड़ाई अब सिर्फ भाजपा-संघ से ही नहीं, बल्कि 'इंडियन स्टेट अर्थात' समूचे भारत से है।

आखिर यह कैसी मानसिकता है, क्या यह सच नहीं कि जिहादियों, इंजीलवादियों के साथ नक्सलवादी भी दशकों से 'इंडियन स्टेट' के खिलाफ 'युद्धरत' हैं। जब भारतीय सनातन संस्कृति में हजारों वर्षों से संवाद और असहमति को स्वीकार करने की परंपरा रही है, तो भारतीय सियासत में राजनीतिक- वैचारिक विरोधी को प्रतिद्वंद्वी के बजाय शत्रु मानने की विकृति कहां से आई। स्वतंत्रता से पहले और बाद में 1960-70 के दशक तक विभिन्न राजनीतिज्ञों में मतभिन्नता थी, परंतु बहुत हद तक उनमें मनभेद और शत्रुभाव नहीं था। हालिया वर्षों में इस अराजकतावादी राजनीति को यदि किसी ने और तीव्रता के साथ गति दी है तो वह निन्संदेह राहुल गांधी ही हैं।

होली में नहीं रहे पहले जैसे रंग

होली आ गई। इस त्यौहार के बारे में सोचते ही तरह-तरह के गाने कानों में गूंजते रहते हैं। अमिताभ बच्चन की आवाज में 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे' या कि 'आज बिरज में होली रे रसिया' फाल्गुन का महीना शुरू होते ही होली की आहट सुनाई देने लगती है। जिस ब्रज प्रदेश से आती हूं वहां की होली के तो कहने ही क्या। मथुरा-वृंदावन में रंगों के साथ-साथ फूलों और दही की होली भी खेली जाती है। यह उत्सव 7 दिन चलता है। बरसाने की लट्ठमार होली को तो दूर-दूर से लोग देखने आते हैं।

बचपन में गांव-गांव होली के हुरियारे घरों की स्त्रियों को गुलाल लगाने और उन पर रंग डालने के लिए उद्धत रहते थे और महिलाएं हाथों में कपड़ों से बने कोड़े थामे रहती थीं। एक तरह से प्रतियोगिता होती थी कि कौन रंग लगाता है, कौन कोड़े खाता है। सब कुछ हास-परिहास से भरा हुआ। कीचड़ की होली भी खूब होती थी। रंगों की होली से एक दिन पहले पूजा वाली होली होती थी। लकड़ी, उपले और जो मिला उससे होली सजाई जाती थी। दिलचस्प यह होता था कि यदि किसी की लकड़ी की बुनी चारपाई मिल गई तो उसे भी होली के हवाले कर दिया जाता था।

इसलिए इस दौरान अपने घरों की चारपाइयों और उपलों को घर के भीतर ही रख दिया जाता था क्योंकि इस अवसर पर न किसी से कोई शिकायत की जाती थी न ही कोई शिकायत सुनता था। सब कुछ आनंद और मजे के लिए था। घरों में गोबर की गूलरियां महीने भर पहले बना-बनाकर सुखा ली जाती थीं और आंगन में छोटी होली जलती थी। गांव भर के लोग गेहूं की बालियां लेकर घर-घर जाते थे। उन्हें भूनकर खाने का रिवाज था। जिस घर में कोई शोक हुआ, उस बहाने नवान्न देकर, इस अवसर पर उस घर का शोक भी उठाया जाता था यानी कि शोक अब विदा हुआ। फिर से जीवन की गति और आनंद में शामिल हो जाओ।

यह नवान्न यानि कि अब उपयोग के लिए नया अन्न आ गया और सबके घर धन-दृधान्य से भरे रहें। वैसे भी कृषि समाजों में उत्सवों की टाइमिंग वही है, जब खेतों में फसल तैयार होती है, खेतों में कोई खास काम नहीं होता और लोगों के पास आम तौर पर उत्सव मनाने के लिए समय होता है। इस अवसर पर घरों में तरह-तरह के पकवान बनते थे। गुझिया, नमकीन, कांजी, दही बड़े और दिलचस्प यह है कि हर घर में बने पकवानों का स्वाद अलग। शाम को सबके घरों में होली मिलन के लिए जाया जाता था और इन पकवानों का आनंद लिया जाता था। यही भारतीय खान-पान की विशेषता भी है। फाल्गुन शुरू होते ही शाम के वक्त आंगन में आटे का चौक पूरकर उसे सत्यानाशी के पीले फूलों से सजाया जाता था। फिर ढोलक पर फाग गाया जाता था। इसमें मोहल्ले भर की स्त्रियां इकट्ठी हो जाती थीं। खूब गाना-बजाना, नाच भी होता था। एक तरह से ये स्त्रियों के मनोरंजन और अभिव्यक्ति का उत्सव भी था।

अब वक्त बदल गया है। जो पकवान घरों में बनते थे, सबके सब बाजार में उपलब्ध हैं। महानगरों में कामकाजी महिलाओं के पास इतना समय भी नहीं कि वे इन सबको घर में बना सकें। लेकिन फिर भी होली रंगों का उत्सव है। मेल-मिलाप और गिले-शिकवे मिटाने का अवसर भी है। एक बार होली से कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश के कान्हा नैशनल पार्क गई थी। यह पार्क बाघों के लिए मशहूर है। हम सौभाग्यशाली थे कि बाघ हमें दिखा भी था। यात्रा की शुरूआत से ही चारों ओर ऊंचे-ऊंचे घने पेड़, चिडियों की चहचहाअट, न धूल, न धुआं, बस शांति ही शांति।कुछ दूर गए तो लगा जैसे आसमान लाल हो गया। हर तरफ खिले हुए पलाश के फूल ही फूल। इन्हें अंग्रेजी में फ्लेम आफ फारैस्ट कहा जाता है।

महान बंगला उपन्यासकार विभूतिभूषण बंधोपाध्याय ने अपने उपन्यास आरण्यक में पलाश के जंगल के बारे में लिखा है। इसे देखकर लगता है जैसे जंगल में आग लग गई हो। पलाश का एक नाम टेसू भी है। इनके फूलों को सुखाकर होली के अवसर पर पीला रंग भी तैयार किया जाता है। इसे आर्गेनिक रंग भी कहते हैं जिसका कोई नुकसान भी नहीं है। घरों में इन्हें पानी में भिगोकर रंग तैयार किया जाता है।

नदियों को विवाद नहीं, विकास का माध्यम बनाये

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो?शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के?बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों के समक्ष आने वाले खतरों, जैसे प्रदूषण, आवास की क्षति और जल संसाधनों के अत्यधिक दोहन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये हर साल 14 मार्च को, 'नदियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस' मनाया जाता है, जो नदियों और उनके संरक्षण के लिए एक वैश्विक मंच है, ताकि नदियों और समुदायों की एकजुटता बढ़ाई जा सके और नदियों के महत्व के बारे में जागरूकता लाई जा सके। इस दिवस की 2025 की थीम 'हमारी नदियाँ, हमारा भविष्य' है। इस दिवस की शुरुआत 14 मार्च 1997 को कुर्टिबा, ब्राजील में बांधों से प्रभावित लोगों की पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक में हुई थी। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। बढ़ते नदियों के प्रदूषण को रोकने के लिये उनमें को अपशिष्ट या सीवेज, कारखानों से निकलने वाले तेल, कैमिकल, धुंआ, गैस, एसिड, कीचड़, कचरा, रंग को डालने से रोकना होना, हमने जीवनदायिनी नदियों को अपने लोभ, स्वार्थ, लापरवाही के कारण जहरीला बना दिया है। दुनियाभर में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश एवं दुनिया के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। जीवन में श्रेष्ठ वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त दे रखी हैं- पानी, हवा और प्यार। और आज वे ही विवादग्रस्त, दूषित और झूठी हो गईं। नदियों के लिए 28वें अंतर्राष्ट्रीय कार्य दिवस पर ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियाँ इंसानी जीवन के साथ प्रकृति, कृषि के लिये महत्वपूर्ण हैं। यह दिन व्यक्तियों और संगठनों को नदी संरक्षण की दिशा में कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करता है। वर्तमान में भारत सहित दुनिया की तमाम नदियां संकट के दौर से गुजर रही हैं। नदियों के सामने जहां प्रदूषण व अतिक्रमण जैसी भयावह चुनौतियां खड़ी हैं, वहीं उनमें निरंतर घट रही पानी की मात्रा भी गंभीर चिंता में डालने वाला है। कस्बों व शहरों के घरेलू, औद्योगिक कचरे एवं गन्दगी के बहिस्राव के कारण नदियों ने गंदे नाले का रूप लेना प्रारंभ कर दिया है। सैकड़ों बरसाती नदियां बहुत पहले ही अपना अस्तित्व खो चुकी हैं। आज जब नदियां प्रदूषित हो रही हैं तो किनारे बसा समाज भी उस प्रदूषण के असर से बच नहीं पा रहा है।

अभी परिसीमन को स्थगित करना ही बेहतर होगा

लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को लेकर चल रही बहस ने इस बात पर गरमा-गर्म बहस छेड़ दी है कि क्या जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को पुरस्कृत किया जाना चाहिए या दंडित किया जाना चाहिए।

इस विवाद के केंद्र में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के स्टालिन का यह दावा है कि दक्षिणी राज्य, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण सहित विभिन्न मापदंडों में बेहतर प्रदर्शन किया है, अगर प्रस्तावित परिसीमन मौजूदा नियमों के अनुसार किया जाता है तो उन्हें 'दंडित' किया जाएगा। परिसीमन प्रक्रिया, जिसमें जनसंख्या के आधार पर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण शामिल है, अगले साल होने वाली है। यह प्रक्रिया आमतौर पर प्रत्येक जनगणना के बाद की जाती है, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 82 द्वारा अनिवार्य है।हालांकि, वर्तमान निर्वाचन क्षेत्रों को 1971 की जनगणना के आधार पर तैयार किया गया था क्योंकि सरकार ने जनसंख्या नियंत्रण उपायों को लागू करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या को 25 वर्षों के लिए स्थिर करने का निर्णय लिया था। बाद के संशोधनों ने इस फ्रीज को 2026 तक बढ़ा दिया है। कार्नेगी एंडोमैंट की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 5 दक्षिणी राज्यों में 26 सीटों का नुकसान होने का अनुमान है जबकि पश्चिम बंगाल,ओडिशा और पंजाब जैसे अन्य राज्य भी आनुपातिक रूप से सीटें खो सकते हैं।निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या पर अंतिम निर्णय सरकार द्वारा स्थापित परिसीमन आयोग द्वारा किया जाएगा। 1951 की जनगणना के बाद से भारत की जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है जिसमें 359 मिलियन की जनसंख्या दर्ज की गई थी। 1976 में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या 500 से बढ़कर 543 हो गई है। अनुमान है कि देश की वर्तमान जनसंख्या को देखते हुए निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या 700 से अधिक हो सकती है। स्टालिन की चिंताएं इस तथ्य में निहित हैं कि दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या वृद्धि को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया है। स्टालिन और दक्षिणी राज्यों के अन्य नेताओं ने मांग की है कि लोकसभा सीटों की संख्या पर रोक को 30 साल और बढ़ाया जाए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि दक्षिणी राज्यों को 'प्रति-अनुपात' के आधार पर नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा लेकिन उनकी टिप्पणी में स्पष्टता का अभाव है।

सड़क किनारे पलटी यात्री बस, 7 गंभीर

बाइक सवार को बचाने की कोशिश में हादसा, 34 यात्री घायल

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा (एजेंसी)। जांजगीर चांपा जिले में एक यात्री बस पलटने से 34 लोग घायल हो गए वहीं 7 यात्रियों को ज्यादा चोटें आई है। जानकारी के मुताबिक, बरमकेला से बिलासपुर जा रही आदर्श यात्री बस बाइक सवार को बचाने की कोशिश में सड़क किनारे उतर गई।

घटना शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के लोहार्षी हाई स्कूल के पास की है। बस में करीब 40-45 यात्री सवार थे। घायलों को हाथ-पैर, सिर पर चोट आई है। वहीं 7 गंभीर रूप से घायल यात्रियों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

बाइक सवार को बचाने की कोशिश में हादसा: जानकारी के मुताबिक, बस चालक ने सामने से आ रहे बाइक सवार को बचाने की कोशिश में अपना नियंत्रण खो दिया। इससे बस सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला: पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। यात्रियों का सामान थाने में सुरक्षित रखा गया है।

हाईवा की टक्कर से बाइक सवार 2 की मौत

एनएच-130 पर हादसा, जंगल में लगी आग बुझाने जा रहे थे

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर मंगलवार दोपहर तेज रफ्तार हाईवा की टक्कर से बाइक के 2 सवारों की मौके पर मौत हो गई। दोनों बाइक सवार जंगल में लगी आग को बुझाने बाइक से जा रहे थे। घटना उदयपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, सरगुजा जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दावा में अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग, एनएच 130 तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक को चपेट में ले लिया। बाइक सवार जैसे ही नेशनल हाईवे के ओव्हरब्रिज पर पहुंचे, हाईवा से उनकी टक्कर हो गई।

एक की मौके पर, दूसरे की रास्ते में मौत: हाइवा की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार ग्राम पंचायत डांडगांव निवासी सुनील (24), मुन्ना पिता कैलाश (15) वर्ष उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची उदयपुर पुलिस की टीम समेत 112 की वाहन से तत्काल मौके पर पहुंची।

दोनों को सीएचसी उदयपुर ले जाया गया जहां डॉक्टर ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

जंगल की आग बुझाने जा रहे थे मृतक: हादसे में मृत बाइक सवार सुनील और कैलाश दोनों रामगढ़ के जंगलों में लगी आग को बुझाने के लिए कोटमी जा रहे थे। उन्हें वन विभाग ने आग बुझाने के लिए ब्लोअर मशीन थी। घटना को लेकर परिजनों के साथ वन विभाग के लोग भी सकते में हैं। दोनों पहले भी आग बुझाने का काम कर चुके थे।

दोनों के शवों का उदयपुर सीएचसी में पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है।

25 वर्षीय लड़की का फांसी के फंदे में झूला हुआ शव का खुलासा

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। होली के दूसरे दिन 15 मार्च की सुबह पुलिस को सुचना मिली की चिरमिरी के वार्ड क्रमांक 34 आमानाला मुहल्ले में एक 25 वर्षीय लड़की ने सामुदायिक भवन में फांसी के फंदे में झूल कर खुदखुशी कर ली थी। जिसकी सुचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा की लड़की की लाश फांसी के फंदे में लटकी हुई है। पुलिस ने शव को फंदे से उतार कर पंचनामा कर पीएम के लिए भेज दिया। मृतिका के भाई अर्जुन सिंह ने शिकायत किया की होली के दिन 14 मार्च के शाम को मृतिका उसकी बहन महेश कुमार बघेल व कृष्णा साहू के साथ होली मानने निकली थी। रात भर घर नही पहुंची थी, अगले दिन सुबह उसकी शव अमानला के सामुदायिक भवन में फांसी से लटकी हूआ मिली। परिजनों के शिकायत पर व पीएम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने जांच कर आत्महत्या के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का मामला कायम कर आरोपी महेश कुमार बघेल को गिरफ्तार कर रिमांड में भेज दिया गया।

थाना प्रभारी विवेक पाटले ने कहा कि उसके साथ बलात्कार भी हुआ है या नहीं स्पष्ट नहीं हैं। वह जांच का विषय है। मेडिकल रिपोर्ट में इस प्रकार का डॉक्टर के द्वारा कोई रिपोर्ट नहीं दिया गया।

अवैध रेत खनन, 20 ट्रैक्टर-2 हाईवा जब्त

ट्रेनी आईपीएस ने 5 दिनों तक की निगरानी, चेकिंग प्वाइंट लगाकर घेराबंदी, तब पकड़ाई गाड़ियां

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में पुलिस ने अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 20 ट्रैक्टर और 2 हाईवा को जब्त किया है। चोरी की रेत पकड़ने के लिए ट्रेनी आईपीएस ने पांच दिनों तक निगरानी की, जिसके बाद अलग-अलग जगहों पर चेकिंग प्वाइंट लगाकर घेराबंदी की। जिसके बाद गाड़ियों को अवैध रेत परिवहन करते पकड़ा गया। मामला कोटा थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, प्रशिक्षु आईपीएस अमित कुमार को आसपास के इलाकों में अरपा नदी में अवैध उत्खनन और परिवहन की जानकारी मिल रही थी। जिस पर उन्होंने खुद 8 से 12 मार्च तक आसपास के इलाकों की पहले निगरानी की। इस दौरान उन्होंने ट्रैक्टर और हाईवा के गुजरने वाले रूट को देखा। 5 दिनों तक क्षेत्र में जाने के बाद उन्होंने चोरी की रेत पकड़ने की योजना बनाई।

अलग-अलग चेकिंग प्वाइंट लगाकर की घेराबंदी: सलका रेत घाट से भारी मात्रा में अवैध उत्खनन करने वालों की धरपकड़ की गई। इसके लिए उन्होंने अलग-अलग जगहों पर जवानों को तैनात किया। इस दौरान घेराबंदी कर 20 ट्रैक्टर और दो हाईवा को जब्त किया गया। जिसमें खनिज विभाग के साथ ही यातायात नियमों का पालन नहीं हो रहा था।

इस दौरान सभी वाहनों के दस्तावेज की जांच की गई। दस्तावेज नहीं मिलने पर सभी वाहनों को थाने लाकर खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। साथ ही इसकी जानकारी खनिज विभाग को भी दी गई है।

रेत घाट की हो रही निगरानी: कोटा पुलिस की टीम क्षेत्र के रेत घाट की निगरानी कर रही है। इसके चलते रेत घाट से अवैध उत्खनन बंद हैं। साथ ही गांव वालों से भी रेत के अवैध उत्खनन की जानकारी जुटाई जा रही है। जनप्रतिनिधियों को भी अवैध उत्खनन की जानकारी देने कहा गया है। थाना प्रभारी आईपीएस अमित कुमार ने गांव के लोगों को अवैध उत्खनन और परिवहन की जानकारी थाने में देने कहा है।

चला निगम का बुलडोजर

सड़क किनारे 20 दुकानें हटाईं, 85 दुकान-23 मकान और हटाए जाएंगे, हाईकोर्ट के आदेश के बाद एक्शन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में अपोलो अस्पताल पहुंच मार्ग की दुर्दशा सुधारने हाईकोर्ट के आदेश के बाद अतिक्रमण हटाने का काम शुरू हो गया है। मंगलवार सुबह नगर निगम ने 20 दुकानें हटाई, अभी 85 दुकानें और 23 मकान और हटाए जाने हैं।

बता दें कि अपोलो अस्पताल तक सड़कें पर्याप्त चौड़ी नहीं होने से यातायात का संचालन प्रभावित होता था। मरीजों को अस्पताल पहुंचने में देरी होती थी, इस पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने स्वतः संज्ञान लिया था।

प्रभावित लोगों ने कार्रवाई का विरोध किया। लेकिन उन्हें पहले ही वैकल्पिक जगह देने की बात कही गई थी। अतिक्रमण हटने के बाद 500 मीटर सड़क का डामरीकरण किया जाएगा।

सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण हो चुका था: जोन क्रमांक 7 के जोन कमिश्नर प्रवीण शर्मा ने बताया कि, 60 फुट चौड़ी सड़क पर दोनों तरफ करीब 20-25 फुट का अतिक्रमण हो चुका था। इससे लोगों को आने जाने में परेशानी हो रही थी।

वसंत विहार चौक से मानसी गेस्ट हाउस तक की सड़क को चौड़ा किया जाएगा। मकान में रहने वालों को बहतराई, सरोज विहार और आईएचएसडीपी योजना के आवासों में शिफ्ट किया जाएगा। सड़क पर सब्जी और अन्य दुकान लगाने वालों को लिंगियाडीह के पसरा में जगह दी जाएगी।

रोड क्लियर होने तक बेजा कब्जा हटाएंगे: नगर निगम के प्रभारी चीफ इंजीनियर आरके मिश्रा ने बताया कि पहले चरण में वसंत विहार चौक से मानसी गेस्ट हाउस तक का अतिक्रमण हटाया जाएगा। इसके बाद आगे के हिस्से में कार्रवाई की जाएगी। रोड क्लियर होने तक बेजा कब्जा हटाएं जाएंगे।

पति ने पत्नी को सड़क पर पीटा, थाने तक बाल खींचकर ले गया, लोग देखते रहे, 2 दिन पहले भी मारपीट की थी

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक शराबी पति अपनी पत्नी को मारते-पीटते थाने लेकर पहुंचा। मंगलवार को राह चलते कुछ बाइक सवारों ने इस घटना का वीडियो भी बनाया है। जिसमें आरोपी राज उरांव (24) पीड़िता का बाल खिंचकर उसे लात-घूसों से मार रहा है।

मानिकपुर चौकी की घटना है। थाने पहुंचने पर पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को परिवार परामर्श केंद्र भेज दिया है, जहां दोनों की काउंसलिंग की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, होली त्योहार के दिन पीड़िता ने ससुर राकेश उरांव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। बहू का कहना है कि ससुर के कहने पर पति उसे मारता है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, इस दौरान कई लोग मूकदर्शक भी बने रहे।

पीने-खाने को लेकर होता था विवाद: जानकारी के मुताबिक, दोनों की शादी को 3 साल हो गए उनका एक बच्चा भी है। इनका परिवार पोखरीपारा मानिकपुरी बस्ती में रहता है। दोनों के बीच अक्सर पीने-खाने को लेकर विवाद होता रहता था।

घटना के 2 दिन पहले भी मारपीट: घटना के दो दिन पहले भी आरोपी ने पत्नी के साथ मारपीट की थी। तब पुलिस ने उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 185 के तहत कार्रवाई की थी, लेकिन आरोपी ने फिर से झगड़ा किया।

मंगलवार को जब शराब के नशे में पति ने मारा तो वह घर से निकल कर थाने जा रही थी तभी रास्ते में पति उससे मारपीट करने लगा।

घरेलू हिंसा की घटना पर हस्तक्षेप की अपील: पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर कोई घरेलू हिंसा की घटना देखें तो तुरंत हस्तक्षेप करें या पुलिस को सूचित करें। इससे पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने में मदद मिलेगी।

छात्रवृत्ति योजना 2024-25 के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने जारी की ऑनलाइन आवेदन की समय सीमा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग जिला एमसीबी के आदेशानुसार मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के वे विद्यार्थी जो छत्तीसगढ़ राज्य से बाहर अध्ययनरत हैं, चाहे वे शासकीय-अशासकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, आईटीआई, नर्सिंग कॉलेज या पॉलिटेक्निक में अध्ययन कर रहे हों, यदि उनका संस्थाओं में प्रवेश विलंब से हुआ है या उनके पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम विलंब से घोषित हुए हैं, तो ऐसे अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं, उनके लिए यह सूचना महत्वपूर्ण है। इन विद्यार्थियों की संस्थाओं के प्राचार्यों, संस्था प्रमुखों एवं छात्रवृत्ति प्रभारियों को सूचित किया जाता है कि शिक्षा सत्र 2024-25 हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही वेबसाइट पर ऑनलाइन की जा रही है। इसके तहत ऑनलाइन आवेदन (नवीन/नवीनीकरण) की अंतिम तिथि 19 मार्च 2025 से 26 मार्च 2025 तक रहेगी।

जिस्मफरोशी का गोरखधंधा, किराए के मकानों और लॉज मे संचालित

मीडिया ऑडीटर, मनेंद्रगढ़ (निप्र)। शहर में अवैध गतिविधियों का गोरखधंधा तेजी से पनप रहा है। सूत्रों के मुताबिक, खासकर किराए के मकानों और कुछ चर्चित लॉज में जिस्मफरोशी का कारोबार किए जाने की चर्चाएं हो रही है। इसमें बाहर से आए मजदूर और प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले लोग मुख्य रूप से फांसे जा रहे हैं।

इन इलाकों में सक्रिय है गोरखधंधा: सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मनेंद्रगढ़ के कई इलाकों में यह अवैध धंधा चल रहा है। इनमें प्रमुख रूप से–

1. चनवारीडांड क्षेत्र (गोपाल शीतगृह के आस - पास), 2. जेकेडी रोड (खान डॉक्टर के आस - पास), 3. आमाखेरवा के कुछ जगहों पर 4. सीताराम कॉम्पलेक्स (पार्कविव के आस- पास), 5. मनेंद्रगढ़ में संचालित एक लॉज का भी नाम सुनने में आ रहा है।

किराए के मकानों का दुरुपयोग: खास बात यह है कि कई मकान मालिक अपने मकानों को किराए पर देकर अन्य स्थानों पर निवास कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें इस बात की भनक तक नहीं कि उनके पीठ पीछे किराए दारो के द्वारा किन गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा हैं । इस स्थिति का फायदा उठाकर कुछ लोग अनैतिक कार्य कर रहे हैं।

लॉज भी आ रहे सवालों के घेरे में: सूत्रों का कहना है कि कुछ चर्चित लॉज में भी यह कारोबार चल रहा है। वहां बिना किसी पहचान पत्र की जांच के कमरे दिए जा रहे हैं, जिससे अनैतिक कृत्यों को बढ़ावा मिल रहा है और असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही हैं।

प्रशासनिक निष्क्रियता से बढ़ता अपराध: स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की निष्क्रियता के कारण इस अवैध धंधे को बढ़ावा मिल रहा है। अगर जल्द ही सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो यह और भी व्यापक रूप ले सकता है।

युवा वर्ग को बड़ा खतरा: चकाचौंध की दुनिया में महंगे शौक पालने वाले युवा वर्ग को बड़ा खतरा होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। और कहीं-कहीं पर इसका प्रमाण भी देखने को मिला है। देखा गया है कि कुछ युवतियां अपने महंगे शौक को पूरा करने के लिए घिनौनी कृत को करने से भी नहीं चूक रही हैं। अपने माता-पिता से दूर रहकर पढ़ाई तथा रोजगार के लिए आए हुए लोग इस कृत में संलिप्त होकर समाज में भी एक बड़ा असर डाल रहे हैं।

कुछ बुद्धजीवी वर्ग का यह भी कहना है कि विभिन्न स्थानों पर इस तरह से घिनौना कृत्य समाज में रहने वाले युवा वर्ग को भी अपने चपेट में ले सकती है। और इस पर बुरा प्रभाव डाल सकती है। प्रशासन ऐसे लोगों को चिन्हांकित कर लाइसेंस जारी कर दे एवं समाज से दूर स्थान सुनिश्चित कर दे ताकि इसका दुष्प्रभाव समाज पर न पड़े।

आज की जनदर्शन में आए 12 आवेदन

कलेक्टर ने विभागों को त्वरित निराकरण करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। आज की जनदर्शन में कुल 12 आवेदन प्राप्त हुए। इस जनदर्शन में आवेदक सोनकुंवर निवासी बिछियाटोला रेत धार की रॉयल्टी के संबंध में, सीताशरण निवासी उजियारपुर मटेरियल पेमेंट और लेबर भुगतान के संबंध में, जय सिंह निवासी उजियारपुर भूमि के संबंध में, सरपंच भलौर सोलर पंप की मरम्मत के संबंध में, सरपंच भलौर नलकूप खनन के संबंध में, अरविन्द कुमार निवासी मनेन्द्रगढ़ भूमि के संबंध में, अरविन्द कुमार निवासी मनेन्द्रगढ़ खाद अधिकारी द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं करने के संबंध में, माधव प्रजापति निवासी खोंगापानी सीसी रोड सही ना बनाने के संबंध में, रामचरन सिंह निवासी चनवारीडांड भूमि के संबंध में, समस्त ग्रामवासी निवासी कोटाडोल तेंदूपत्ता पड़ मुंशी को हटाने के संबंध में, विमला निवासी नागपुर प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में और हफ्सा बानो निवासी मनेन्द्रगढ़ भूमि के संबंध में अपनी शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे। कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

महापौर ने पेयजल आपूर्ति पूर्ण करने अधिकारियों के साथ पानी टंकी का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रीष्मकाल में पानी की कमी और जल आपूर्ति व्यवस्था पर्याप्त करने विगत दिवस नगर पालिक निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय ने नगर निगम के सभापति संतोष सिंह और एमआईसी सदस्यों के साथ नगर पालिक निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 01 केराडोल पानी टंकी का निरीक्षण कर पूरे परिसर का अवलोकन किया। महापौर ने स्वयं सीढ़ी में चढ़कर पानी टंकी के पूरे परिसर को देखा। ज्ञात हो कि पीएचई के पाइप लाइन का कनेक्शन केराडोल के वार्ड क्रमांक-01 के पानी टंकी तक गया है और गर्मी के मौसम में पानी का प्रेशर कम हो जाता है। पीएचई से पानी पर्याप्त मात्रा में न मिलने के कारण वार्ड वासियों को

ग्रीष्म काल में पेयजल सहित निस्तारण हेतु जल की उपलब्धता में काफी कठिनाइयां होती है। इस बात को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने स्वयं निगम के जल विभाग के अधिकारियों के साथ समस्याओं से रूबरू हुए, महापौर ने पानी टंकी के अवलोकन करने के बाद उसके मरम्मत हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने ट्यूबवेल के मरम्मत के लिए भी जल शाखा के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। महापौर ने कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल की अच्छी व्यवस्था शहरवासियों को देना नगर निगम का मौलिक दायित्व होता है। सभी इसका अच्छे तरीके से निर्वहन करें, जिससे क्षेत्र के आम जनमानस को सुगम पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। इस दौरान नगर निगम के एमआईसी सदस्य नरेंद्र साहू, राम अवतार, नगर निगम के सहायक अभियंता विजय बधावन मौजूद रहे।

बिलासपुर से हैदराबाद के लिए ट्रायल फ्लाइट शुरू

बिलासपुर। बिलासपुर में एलायंस एयर कंपनी ने हैदराबाद के लिए फ्लाइट शुरू की है। मंगलवार को ट्रायल के रूप में चलाई गई। पहली ट्रायल फ्लाइट में सिर्फ 1 पैसेंजर ने सफर किया। प्रबंधन का कहना है कि शॉर्ट नोटिस ट्रायल शुरू किया गया है, इस वजह से लोगों को जानकारी नहीं है। यात्रियों का अच्छा रिस्पांस मिलने पर इसे समर शेड्यूल में शामिल किया जाएगा। बिलासपुर के चकरभाठा एयरपोर्ट से हैदराबाद के लिए मंगलवार को ट्रायल के तौर पर उड़ान का संचालन किया गया। यह उड़ान हैदराबाद से बिलासपुर के लिए सुबह 9.40 बजे टेकऑफ होकर बिलासपुर में 11.30 बजे पहुंची।

शाम 6.20 बजे हैदराबाद पहुंचेगी: 20 मिनट बाद यानी 11.55 से बिलासपुर से टेकऑफ कर कोलकाता में 13.45 बजे लैंड की। इसके बाद कोलकाता से 14.15 बजे उड़ान भरने के बाद 16.05 बजे बिलासपुर पहुंची।

मोबाईल मेडिकल यूनिट से स्वच्छता दीदीयों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नगरीय प्रशासन व विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत नगर निगम चिरमिरी क्षेत्र में रहने वाले लोगों का निशुल्क इलाज किया जा रहा है। यह सेवा प्रतिदिन सुबह 08 बजे से शाम 03 बजे तक 02 मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से लोगों के द्वार तक पहुंच रही हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की पहल पर झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लोगों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की पहल सरकार के द्वारा की जा रही है। इसी क्रम में विगत दिवस नगर के गेल्हापानी में मोबाइल मेडिकल यूनिट से डोर टू डोर सफाई कार्य में कार्यरत स्वच्छता दीदीयों का स्वास्थ्य परीक्षण कैंप के माध्यम से किया गया।

जिसमें 25 स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ्य की जांच की गई। जिसमें थायराइड टेस्ट, कैल्शियम टेस्ट, सीबीसी टेस्ट, हीमोग्लोबिन, शुगर, विटामिन डी-03 एवं बी-12 तथा ब्लड टेस्ट कर निःशुल्क दवाई वितरण किया गया।

इस संबंध में नगर निगम के आयुक्त रामप्रसाद आचला ने बताया कि नगर निगम में कार्यरत स्वच्छता कर्मचारियों व स्वच्छता दीदियों के स्वास्थ्य के परीक्षण की जांच समय-समय पर की जाती है और मोबाईल मेडिकल यूनिट का निरीक्षण भी समय-समय की जाती है। आयुक्त आचला ने बताया कि प्रतिदिन मोबाईल मेडिकल यूनिट की वाहन अलग-अलग स्थानों पर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवा का वितरण भी किया जाता है।

अमेरिकी अरबपति के बेंगलुरु स्थित एनजीओ पर ईडी की रेड

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी को अलोकतांत्रिक कहने वाले अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस से जुड़े ह्लन्ह्र पर रेड हुई है। बेंगलुरु स्थित जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन, ओपन सोरोस फाउंडेशन (ह्लस्न) और एमनेस्टी इंटरनेशनल के दफ्तरों पर ईडी ने छापा मारा। एजेंसी ने एमनेस्टी और ह्यूमन राइट्स वॉच के पूर्व-वर्तमान कर्मचारियों के घरों की भी तलाशी ली। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्वष्ठ की कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम (स्नश्वरू) के उल्लंघन को लेकर हुई। छापे को लेकर ह्लस्न की तरफ से फिलहाल आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने दिसंबर 2020 में ही भारत में अपनी एक्टिविटी बंद कर दी थी। संस्था के बैंक खाते अवैध विदेशी फंडिंग के आरोप के चलते फ्रीज भी किए गए थे। एमनेस्टी और ह्यूमन राइट्स वॉच पर ओपन सोरोस फाउंडेशन से फंडिंग मिलने का आरोप है। इस मामले में सीबीआई इनके खिलाफ चार्जशीट फाइल कर चुकी है। अब श्वष्ठ इसकी जांच कर रही है।

नागपुर में हिंसा के बाद 11 इलाकों में कर्फ्यू

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में औरंगजेब का पुतला जलाने पर हुई हिंसा के बाद मंगलवार को 11 इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। सोमवार शाम हुई हिंसा में 33 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, इनमें 3 डीसीपी हैं। 5 आम लोग भी घायल हैं, इनमें से एक आईसीयू में भर्ती है। दंगाइयों ने 12 बाइक, कई कारें, 1 जेसीबी जला दी। पुलिस ने दंगे के आरोप में 50 लोगों को अरेस्ट किया गया है। वहीं, संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कब्र की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। हर आने-जाने वालों की जांच की जा रही है।औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र जलाने से बवाल हुआ सोमवार को नागपुर में विश्व हिंदू परिषद ने प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान गोबर के कंडों से भरा एक हरे रंग का कपड़ा जलाया गया। वीएचपी के मुताबिक, ये औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र थी।

इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद देर शाम 7:30 बजे नागपुर के महल इलाके में हिंसा भड़क गई। पथराव और तोड़फोड़ शुरू हो गई। उपद्रवियों ने घरों पर पथराव किया और सड़क पर खड़े दर्जनों वाहनों में तोड़फोड़-आगजनी की। पुलिस पर भी हमला किया गया। डीसीपी निकेतन कदम कुल्हाड़ी के हमले से घायल हो गए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। रात 10.30 बजे से 11.30 बजे के बीच ओल्ड भंडारा रोड के पास हंसपुरी इलाके में एक और झड़प हुई।

ओडिशा का बौध लगातार तीसरे दिन देश में सबसे गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा में तेज गर्मी का प्रकोप बना हुआ है। यहां लगातार तीसरे दिन बौध जिला देश में सबसे गर्म रहा। जिले का अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य का बरगढ़ जिला 42 डिग्री के साथ दूसरे और आंध्र प्रदेश का कुर्नूल 41.3 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ तीसरे नंबर पर रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के नौ जिलों का तापमान 39 से 40 डिग्री के बीच रहा। मंगलवार को भी राज्य में गर्मी कम होने के आसार नहीं हैं। इसके चलते मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मध्यप्रदेश ने कृषि में किए कई नवाचार, इसलिए देश में है अव्वल -मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की उर्वर धरा में खेती-किसानी लाभ का व्यवसाय है। हमने इसी दिशा में काम किया। नई कृषि विधियों को अपनाया, कई नवाचार किए। यही कारण है कि आज मध्यप्रदेश कृषि विकास के मामले में पंजाब, हरियाणा और अन्य कई राज्यों से आगे निकलकर देश में अव्वल स्थान पर है। हम खेती-किसानी और किसान दोनों की समृद्धि के लिए प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में नेशनल डिफेंस कॉलेज की ओर से मध्यप्रदेश आए अध्ययन यात्रा दल को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि एवं सहकारिता में मध्यप्रदेश में बीते दशकों में लगातार काम हुआ है। खेती के साथ-साथ सिंचाई पर भी हमने काम किया है। वित्त वर्ष 2002-03 तक मध्यप्रदेश में मात्र 7 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित थी। आज मध्यप्रदेश की 55 लाख से अधिक कृषि हेक्टेयर भूमि को हम सिंचित क्षेत्र में लेकर आए हैं। हम किसानों को सुविधा सम्पन्न बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। अगले तीन सालों में हमारी सरकार प्रदेश के 30 लाख किसानों को न केवल सोलर पम्प देगी, वरन् उनके द्वारा उत्पादित अतिरिक्त सोलर ऊर्जा का क्रय भी करेगी। इससे किसानों को दोहरा फायदा होगा। इसके अलावा हम किसानों को मात्र 5 रूपए की राशि पर बिजली कनेक्शन भी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ऊर्जा के मामले में भी आगे है। देश में सबसे सस्ती बिजली देने वाला प्रदेश मध्यप्रदेश है। दिल्ली

मेट्रो भी मध्यप्रदेश की बिजली से चलायमान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से नेशनल डिफेंस कॉलेज (एनडीसी), नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रणनीति विषय पर आयोजित अध्ययन यात्रा के लिए मध्यप्रदेश राज्य की यात्रा के लिए आए दल ने सौजन्य भेंट की। देश के 5 मित्र देशों के प्रतिनिधि भी अध्ययन दल के साथ मध्यप्रदेश आए हैं। एनडीसी द्वारा पूरे देश के लिए ऐसे 8 अध्ययन समूह तय किए गए हैं, जिनमें से 16 सदस्यीय एक समूह मध्यप्रदेश की अध्ययन यात्रा पर है। मध्यप्रदेश आए यात्रा दल को यहां प्रदेश में %कृषि एवं सहकारिता% अध्ययन शीर्षक दिया गया है। आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी को इस समूह को मध्यप्रदेश की अध्ययन यात्रा कराने का दायित्व मिला है।

वोटर कार्ड को आधार से लिंक करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार वोटर आईडी और आधार को लिंक करने की तैयारी कर रही है। इसे लेकर मंगलवार को चुनाव आयोग और यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें दोनों को लिंक करने पर सहमति बनी। अब जल्द ही इस पर एक्सपर्ट की राय ली जाएगी। आयोग का कहना है कि वोटर कार्ड को आधार से जोड़ने का काम मौजूदा कानून और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। इससे पहले 2015 में भी ऐसी ही कोशिश हो चुकी है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के

बाद इसे रोक दिया गया था। चुनाव आयोग ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार मतदान का अधिकार केवल भारत के नागरिक को दिया जा सकता है, लेकिन आधार केवल व्यक्ति की पहचान है। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि मतदाता फोटो पहचान पत्र को आधार से लिंक करने के लिए सभी कानूनों का पालन किया जाएगा। कानून मतदाता सूचियों को आधार डेटाबेस के साथ स्वैच्छिक रूप से जोड़ने की अनुमति देता है।

सरकार ने संसद में बताया है कि आधार-वोटर कार्ड लिंक करने की प्रक्रिया पहले से चल रही है। प्रस्तावित लिंकिंग के लिए कोई लक्ष्य या समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई थी। सरकार ने यह भी कहा कि जो लोग अपने आधार कार्ड को मतदाता सूची से नहीं जोड़ते हैं, उनके नाम मतदाता सूची से नहीं काटे जाएंगे।

लैंड फॉर जॉब केस में राबड़ी-तेजप्रताप से 4 घंटे पूछताछ

पटना (एजेंसी)। लैंड फॉर जॉब केस में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप से मंगलवार को पटना के ईडी ऑफिस में पूछताछ हुई। राबड़ी देवी करीब 4 घंटे बाद पौने 3 बजे ईडी ऑफिस से बाहर निकलीं। तेजप्रताप से करीब साढ़े 4 घंटे तक पूछताछ चली। मंगलवार सुबह करीब 10.50 बजे राबड़ी देवी अपनी बड़ी बेटी मीसा भारती के साथ पटना के ईडी दफ्तर पहुंची थीं। दोनों एक ही गाड़ी में थीं। दोपहर करीब 12 बजे तेजप्रताप यादव भी ईडीऑफिस पहुंचे। तेजप्रताप को पहली बार जमीन के बदले नौकरी मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। राबड़ी और तेजप्रताप दोनों से अलग-अलग कमरों में बैठाकर पूछताछ की गई। तेजस्वी यादव ने दिल्ली में न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी वाला बंगला कैसे लिया। सगुना मोड़ वाले अपार्टमेंट की जमीन कैसे खरीदी गई।

पैसे कहां से आए। निर्माण कब शुरू हुआ। उन लोगों को नौकरी देने के लिए आपने क्यों पैरवी की। इसके बाद ईडी ने राबड़ी देवी से पूछा- क्या आप लंच करेंगी। पूर्व सीएम ने इसका जवाब हां में दिया। श्वष्ठ के अफसरों ने कहा कि लंच कर लीजिए। कोई दवा लेनी हो तो वो भी ले लीजिए। पूछताछ के दौरान टीम ने राबड़ी से चाय और पानी का भी पूछती रही।

पीएम मोदी का सुनीता विलियम्स को लेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नासा की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को पत्र लिखकर भारत आने का निमंत्रण दिया है। 1 मार्च को लिखे गए इस लेटर को नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो ने भेजा था। इसे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पर शेयर किया है। लेटर में पीएम मोदी ने लिखा है- आपके लौटने के बाद हम आपको भारत में देखने के लिए उत्सुक हैं। भारत के लिए अपनी सबसे शानदार बेटियों में से एक की मेजबानी करना खुशी की बात होगी। सुनीता विलियम्स 5 जून 2024 को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंची थीं। वे 9 महीने तक अंतरिक्ष में रहने के बाद 19 मार्च को धरती पर वापस आने वाली हैं। पीएम ने लिखा- भले ही आप हजारों मील दूर हों, लेकिन आप हमारे दिलों के करीब हैं। भारत के लोग आपके अच्छे स्वास्थ्य और आपके मिशन में सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। 1.4 अरब भारतीयों ने हमेशा आपकी उपलब्धियों पर बहुत गर्व किया है।

मोदी ने 2016 में अमेरिका यात्रा के दौरान विलियम्स और उनके दिवंगत पिता दीपक पंड्या से हुई मुलाकात को याद किया। उन्होंने लिखा- हमारी बातचीत में आपका जिक्र हुआ था। मैंने उनसे कहा था कि हमें आप पर और आपके काम पर कितना गर्व है। इस बातचीत के बाद, मैं खुद को आपको पत्र लिखने से नहीं रोक सका। मोदी ने लिखा- आपकी मां बोनी पांड्या आपके लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रही होंगी।

मुझे यकीन है कि दीपक भाई का आशीर्वाद भी आपके साथ है।अहमदाबाद में सुनीता विलियम्स के चचेरे भाई दिनेश रावल ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह देश का गौरव हैं। रावल ने एजेंसी से बातचीत में बताया- उनकी मां, भाई और बहन सहित परिवार के सभी लोग खुश हैं कि वह घर वापस आ रही हैं।

3 डकैतों को फांसी की सजा, अदालत में फूट-फूटकर रोए

मैनपुरी (एजेंसी)। मैनपुरी के दिहुली नरसंहार में मंगलवार को स्पेशल डकैती कोर्ट की,ष्ठछ्व इंद्रा सिंह ने फैसला सुनाया। 24 दलितों की सामूहिक हत्या में तीन डकैतों कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को फांसी की सजा दी है। 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। 11 मार्च को स्पेशल जज ने तीनों को दोषी ठहराया था। इस मामले में 17 लोगों को आरोपी बनाया गया था। जिनमें 13 की मौत हो चुकी है। एक आरोपी भगोड़ा घोषित है। साल 1982 में डकैतों के गिरोह ने दलितों के गांव पर हमला बोल दिया था। अंधाधुंध गोलियां बरसाकर 24 लोगों की हत्या कर दी थी। जिसमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल थीं। डकैतों ने मुखबिरी के शक में दलितों की हत्या की थी। सामूहिक नरसंहार से तब की केंद्र और प्रदेश सरकार हिल गई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, गृहमंत्री बीपी सिंह, मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी और विपक्षी नेता अटल बिहारी वाजपेई भी पीडितों का दर्द बांटने? दिहुली गांव पहुंचे थे। जिस वक्त ये नरसंहार हुआ, उस समय दिहुली गांव फिरोजाबाद के थाना जसराना क्षेत्र में आता था।

किसानों- केंद्र सरकार की मीटिंग आज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। आंदोलनरत किसानों और केंद्र सरकार के बीच 7वीं मीटिंग का एजेंडा आ गया है। ये मीटिंग कल 19 मार्च को सुबह 11 बजे चंडीगढ़ में बुलाई गई है। फसलों की एमएसपी की लीगल गारंटी समेत 13 मुद्दों को लेकर किसानों की केंद्र सरकार से बातचीत चल रही है।

जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार की तरफ से किसानों को मीटिंग का अधिकृत पत्र भेजा गया है। कल किसानों और केंद्र के बीच 7वीं मीटिंग है। इससे पहले हुई छह मीटिंग शाम के समय ही चंडीगढ़ में हुई थी। किसानों का संघर्ष एक साल से चल रहा है। किसानों का साफ कहना है कि जब तक उनकी सुनवाई नहीं होती है, तब तक वह संघर्ष खत्म नहीं करेंगे।डल्लेवाल ने कहा कि मीटिंग में दोनों फोरम के नेता शामिल होंगे। साथ ही वह इसमें अपना पक्ष रखेंगे। दूसरी तरफ मीटिंग में केंद्र सरकार के दो से तीन मंत्री व पंजाब सरकार के मंत्री शामिल होंगे। खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन 113वें दाखिल हो गया है। उन्होंने केंद्र सरकार का पत्र मिलने के बाद वीडियो संदेश जारी कर कहा है कि 19 मार्च को जो हमारी केंद्र सरकार के साथ मीटिंग तय हुई थी। वह तय तारीख पर होगी। हालांकि मीटिंग का समय पहले शाम पांच बजे था, जिसे बदलकर अब सुबह 11 बजे चंडीगढ़ में होगी। इस संबंधी हमें केंद्र सरकार से पत्र मिला है। साथ ही हम मीटिंग में हिस्सा लेकर अपनी बात रखेंगे।इससे पहले किसानों और केंद्र सरकार के बीच 22 फरवरी को मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की थी। मीटिंग करीब साढ़े तीन घंटे तक चली थी। इस मीटिंग में किसानों ने केंद्र सरकार को दलील दी थी कि अगर केंद्र सरकार एमएसपी देने का फैसला लेती है तो किसी तरह की परेशानी नहीं आएगी।

महिलाओं को मिलेगा 180 दिन का मातृत्व अवकाश

नइ दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य की आउटसोर्स महिला कर्मियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब प्रदेश में आउटसोर्सिंग के तहत कार्यरत महिलाओं को 180 दिन का मातृत्व अवकाश का लाभ मिलेगा। यह प्रावधान नई आउटसोर्सिंग नीति में शामिल किया जा रहा है, जिसमें श्वस्ढ्ढ (कर्मचारी राज्य बीमा) के निर्धारित नियमों को भी जगह दी गई है। इस फैसले से बड़ी संख्या में महिलाओं को राहत मिलेगी और उनके कार्यस्थल पर अधिकारों को और मजबूत किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार विभिन्न विभागों में आवश्यकतानुसार, आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती के लिए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम बना रही है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में प्रदेश में लगभग 6.12 लाख संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मी कार्यरत हैं। इस नई नीति के तहत, न केवल महिलाओं को मातृत्व अवकाश मिलेगा, बल्कि

अन्य सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा।

नए प्रावधानों के तहत महिला आउटसोर्स कर्मियों को दो बच्चों तक 180 दिनों का मातृत्व अवकाश मिलेगा, और इस दौरान उनका वेतन नहीं कटेगा। इसके अलावा, अन्य चिकित्सा लाभ भी दिए जाएंगे-

सरकार द्वारा संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मियों के लिए अन्य सुविधाओं पर भी विचार किया जा रहा है, जिसमें मानदेय वृद्धि और 5 लाख तक मुफ्त चिकित्सा सुविधा का प्रावधान शामिल है।

इससे न केवल कर्मचारी लाभान्वित होंगे, बल्कि उनके कामकाज की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

मणिपुर के चुराचांदपुर में कर्फ्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को हमार जनजाति का एक समूह सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी करने लगा। स्थिति को संभालने के लिए सुरक्षाबलों ने उपद्रवियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े।

मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में रविवार देर शाम हमार जनजाति के नेता रिचर्ड हमार पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया था। सोमवार को हमार जनजाति के लोगों ने न्याय की मांग को लेकर बंद बुलाया। इस बीच इलाके में तनाव बढ़ गया और हमार जनजाति का एक समूह सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी करने लगा। स्थिति को संभालने के लिए सुरक्षाबलों ने उपद्रवियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और हवाई फायरिंग की। इसके बाद इलाके में कर्फ्यू लगा दिया। चुराचांदपुर के अतिरिक्त जिलाधिकारी ने अगले आदेश तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ड्ढहृस्) की धारा 163 लगा दी है और सुरक्षा बलों की तैनाती भी बढ़ा दी गई है।

मणिपुर पुलिस के मुताबिक, हमार इनपुई संगठन के महासचिव रिचर्ड हमार पर रविवार शाम जेनहांग लामका में वीके मोंटेसरी परिसर के अंदर लोगों के एक समूह ने हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रिचर्ड अपनी गाड़ी चला रहे थे, जो एक दोपहिया सवार से टकराते बची। इससे रिचर्ड की दोपहिया वाहन सवार युवकों से कहासुनी हो गई। जो बाद में इतनी आगे बढ़ गई कि दूसरे पक्ष ने रिचर्ड पर हमला कर दिया।

हमले की आलोचना करते हुए हमार इनपुई ने कहा कि अपराधियों को तुरंत पकड़ा जाए। साथ ही चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर वे अपनी खुद की कार्रवाई करेंगे। संगठन ने कहा, यह घटना कोई अकेली घटना नहीं है। सदस्यों को बार-बार निशाना बनाया जा रहा है, जिससे उत्पीड़न और हिंसा का एक परेशान करने वाला पैटर्न उजागर होता है। हम इन कायरतापूर्ण कृत्यों की निंदा करते हैं, जो हमारे नेतृत्व और सदस्यों को चुप कराने और डराने की कोशिश करते हैं।

सभी 22 नए एस में कैंसर के इलाज के लिए सुविधा केंद्रों को मंजूरी दी गई : मंत्री जे पी नड्डा

नइ दिल्ली (एजेंसी)। कैंसर रोगियों के इलाज के लिए सभी 22 नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) में सुविधा केंद्रों को मंजूरी दी गई है और समय रहते इस बीमारी का पता लगाने के लिए इसकी जांच पर जोर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि देश में एक लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं जहां कैंसर की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख कैंसर की करीब 29.32 करोड़ जांच हुई जिसमें से एक लाख 63 हजार मामलों में कैंसर का पता चला। उन्होंने कहा कि इसी तरह स्तन कैंसर के लिए 15 करोड़ 60 लाख जांच हुई और 57 हजार मामलों में स्तन कैंसर का पता चला। नड्डा ने बताया कि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए नौ करोड़ 48 हजार जांच हुई और 97 हजार मामलों में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का पता चला। उन्होंने कहा कि वह आंकड़े इसलिए बता रहे हैं ताकि पता चल सके कि लाखों जांच हुई हैं। उन्होंने बताया कि कैंसर का पता चलने के बाद मरीजों का इलाज शुरू कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि सभी 22 नए एम्स में कैंसर के इलाज के लिए सुविधा केंद्रों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कैंसर के इलाज की सुविधा के बारे में बताया कि 372 'जिला कैंसर डे केयर केंद्र% हैं जहां कीमोथैरेपी सहित अन्य इलाज किया जाता है। वित्त मंत्री ने बजट में घोषणा की हर जिले में ऐसे केंद्र खोले जाएंगे। नड्डा ने कहा कि इस साल सरकार ने 200 'जिला कैंसर डे केयर केंद्र% खोलने का फैसला किया है। अगले दो साल में हर जिले में 'जिला कैंसर डे केयर केंद्र% होगा। एक अन्य पूरक प्रश्न के उत्तर में बताया कि कैंसर की जांच के साथ साथ सरकार टेलिमेडिसिन पर भी ध्यान और महत्व दे रही है। इसके लिए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे मरीज की जांच कर पता कर सकें कि क्या उन्हें कैंसर है और अगर है तो किस स्टेज पर है। उन्होंने कहा कि 'लैन्सेट% पत्रिका में हाल में आए एक अध्ययन में कहा गया है कि भारत ने कैंसर के उपचार शुरू करने में होने वाली देरी को कम करने में प्रगति की है। उनके अनुसार, लैंसेट द्वारा प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत, समय पर कैंसर उपचार शुरू करने में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा नामांकित रोगियों को 30 दिनों के भीतर कैंसर उपचार तक पहुंच में 90 फीसदी की वृद्धि हुई है।

बाबर आजम ने रोहित-कोहली और गिल को पछाड़ा, ये कारनामा कर बनाया खास रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद इस टीम के स्टार बल्लेबाज बाहर आजम को बेशक टीम से बाहर कर दिया गया हो और उन्हें न्यूजीलैंड दौरे पर नहीं भेजा गया हो, लेकिन बाबर का प्रदर्शन किसी से खराब नहीं रहा है और इस बात का गवाह उनके आंकड़े बने हैं। बाबर का लीन पैच कुछ दिनों से जारी है, लेकिन इससे पहले उन्होंने अपनी टीम के लिए खूब रन बनाए हैं और कमाल की बात ये है कि इंटरनेशनल क्रिकेट में इस दशक में यानी साल 2020 से लेकर अब तक जीते हुए मैचों में सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने का रिकॉर्ड बाबर आजम के नाम है और वो इस मामले में रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल जैसे स्टार खिलाड़ियों से भी आगे हैं। साल 2020 से लेकर अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट में जीते हुए मैचों में सबसे ज्यादा 50 प्लस की पारी खेलने वाले बैटर्स की लिस्ट में बाबर आजम पहले स्थान पर हैं। बाबर ने अब तक 99 पारियों में 45 बार 50 प्लस की पारी खेली है और इन मैचों में उनकी टीम को जीत मिली है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर उनके साथी खिलाड़ी मोहम्मद रिजवान हैं जिन्होंने 92 पारियों में 38 बार प्लस की पारी खेली है और इन मैचों में पाकिस्तान को जीत मिली।

हॉकी खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित, हरमनप्रीत-सविता बने प्लेयर ऑफ द ईयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 7वें सलाना पुरस्कार 2024 में भारतीय हॉकी ने 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया। हॉकी इंडिया ने 1975 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सदस्यों को हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के साथ 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। वहीं, कप्तान हरमनप्रीत सिंह और सविता पुनिया को प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब दिया।

बता दें कि, भारतीय हॉकी में 12 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि रखी गई, जो हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी राशि रही। सविता और हरमप्रीत सिंह को क्रमशः महिला और मेंस वर्ग में साल 2024 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के

लिए हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वहीं इंडिया हॉकी टीम से रिटायरमेंट ले चुके पीआर श्रीजेश को एफआईएच मेंस गोलकीपर ऑफ द ईयर 2024 के रूप में 5 लाख रुपये की इनाम राशि से सम्मानित किया। दीपिका को बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024, राजगीर में सबसे ज्यादा गोल स्कोरर और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए 1 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया।

इस खिलाड़ी को दिल्ली कैपिटल्स ने बनाया उपकप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने कुछ दिन पहले टीम के कप्तान के नाम की घोषणा की थी और अक्षर पटेल को इस सीजन के लिए ये जिम्मेदारी सौंपी थी। अब इस फ्रेंचाइजी ने टीम के उपकप्तान के नाम की भी घोषणा कर दी। दिल्ली ने टीम का उपकप्तान 40 साल के फॉफ डुप्लेसिस को बनाया है जो इस सीजन से पहले आरसीबी के कप्तान थे। फाफ डुप्लेसिस दिल्ली कैपिटल्स ज्वाइन करने से पहले तीन साल तक यानी साल 2022 से लेकर 2024 तक आरसीबी टीम का हिस्सा थे और इस टीम के कप्तान भी थे। आरसीबी ने आईपीएल 2025 की नीलामी से पहले डुप्लेसिस को रिलीज कर दिया था। इसके बाद आईपीएल 2025 की नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें उनसे बेस प्राइस यानी 2 करोड़ में खरीदा था। प्लेसिस के कप्तानी अनुभव को देखते हुए दिल्ली ने उन्हें उपकप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी।

डुप्लेसिस के पास ना सिर्फ आईपीएल में कप्तानी करने काअनुभव है बल्कि उनके पास इस लीग में खेलने का खासा अनुभव है। वो साल 2012 से आईपीएल में खेल रहे हैं और इस दौरान उन्होंने 145 मैच खेले हैं और इसमें उन्होंने 136.37 की स्ट्राइक रेट के साथ 4571 रन बनाए हैं। जिसमें 27 अर्धशतक भी शामिल है।

करण औजला से लेकर श्रेया घोषाल और दिशा पाटनी ओपनिंग सेरेमनी में लगाएंगे मनोरंजन का तड़का

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 मार्च से आईपीएल 2025 का आगाज होने जा रहा है। जिसका पहला मुकाबला ईडन गार्डन स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले इसी ग्राउंड पर उद्घाटन समारोह का आयोजन होगा, इसमें कई बॉलीवुड सितारें परफॉर्म करेंगे। परफॉर्म करने वाले कलाकारों में सिंगर करण औजला और एक्ट्रेस दिशा पाटनी का नाम भी सामने आया है। वहीं जो फैंस केकेआर वर्सेस आरसीबी मुकाबले की टिकट लेंगे वो विराट कोहली की बल्लेबाजी देखने से पहले बॉलीवुड सितारों की परफॉर्मेंस का लुत्फ उठाएंगे। आईपीएल 2025 का उद्घाटन समारोह मैच शुरू होने से 1 घंटे पहले शुरू होगा। इसमें बॉलीवुड जगत के कई जानें माने कलाकार परफॉर्म करेंगे। वहीं आईपीएल उद्घाटन समारोह में पंजाबी सिंगर करण औजला बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी के साथ परफॉर्म करेंगे। बता दें कि, अभी दोनों एक प्रोजेक्ट में साथ में काम भी कर रहे हैं। जिसका वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है। इनके अलावा मशहूर सिंगर श्रेया घोषाल का नाम भी सामने आ रहा है। जो आईपीएल ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म करेंगी। हालांकि, आईपीएल की तरफ से आधिकारिक तौर पर अभी इसकी पुष्टि होना बाकी है।

फायदा की जगह हो गया बड़ा नुकसान, चैंपियंस ट्रॉफी के कारण पाकिस्तान को लगा 800 करोड़ का झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। 29 साल बाद अपनी मेजबानी में आईसीसी टूर्नामेंट कराना पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को भारी पड़ गया। कटोरा पकड़कर भीख मांगने की कगार पर खड़ा पाकिस्तान बोर्ड को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी से करीब 800 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है।

टूर्नामेंट का फाइनल 9 मार्च को हुआ था जिसमें टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता। पाकिस्तान ने सपने देखे थे कि उसे इस चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी से अरबों रुपये का मुनाफा होगा। लेकिन मामला उलटा ही पड़ गया। टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान बोर्ड ने स्टेडियम को सुधारने में करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन उसे आखिर में 85 प्रतिशत नुकसान ही झेलना पड़ा। टेलीग्राफ के मुताबिक पीसीबी ने घरेलू मैच कराने के लिए लगभग 851 करोड़ रुपये खर्च किए थे। इसके बावजूद उसको सिर्फ 52 करोड़ रुपये की ही कमाई हुई। जिससे उसे करीब 799 करोड़ रुपये का नुकसान झेलना पड़ा। इसका असर खिलाड़ियों पर ही हुआ है। पीसीबी ने इस नुकसान की भरपाई के लिए पीसीबी ने घरेलू खिलाड़ियों की मैच फीस में भारी कटौती की है। चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले पाकिस्तान के 3 वेन्यू लाहौर, कराची और रावलपिंडी में हुए थे।

जबकि भारतीय टीम ने अपने सभी मैच दुबई में खेले। फाइनल भी दुबई में ही हुआ था। पाकिस्तान बोर्ड ने तीनों घरेलू स्टेडियमों को ठीक करने में 58 मिलियन डॉलर यानी करीब 504 करोड़ भारतीय रूपये खर्च किए थे।

आईपीएल 2025 से पहले हार्दिक पंड्या को उम्मीद एमआई के फैंस का मिलेगा प्यार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने आईपीएल 2025 से पहले उम्मीद जताई है कि मुंबई इंडियंस के फैंस का उन्हें प्यार मिलेगा। साथ ही उनका कहना है कि पिछले कुछ महीनों में उनके लिए समय का पहिया पूरी तरह से 360 डिग्री घूम गया, लेकिन वह मुश्किल परिस्थितियों में हार नहीं मानने के अपने जज्बे के कारण मैदान पर डटे रहे। पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाए जाने के बाद हार्दिक पंड्या को दर्शकों की नाराजगी का सामना करना पड़ा।

हालांकि, इसके बाद उन्होंने भारत की टी20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में अहम भूमिका निभाई। आईपीएल 2025 की तैयारी में जुड़े इस ऑलराउंडर को उम्मीद है कि इस बार उन्हें मुंबई इंडियंस के फैंस का प्यार मिलेगा।

22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल के 18वें सीजन से पहले जियो हॉटस्टार से पंड्या ने कहा कि, मैं कभी हार नहीं मानता। मेरे करियर में कुछ ऐसे दौर भी आए जब मेरा ध्यान जीतने के बजाय खेल में बने रहने पर लगा था। उन्होंने कहा कि, मुझे अहसास हुआ कि मेरे साथ जो कुछ भी हो रहा है क्रिकेट हमेशा मेरा सच्चा दोस्त बना रहेगा। मैंने खुद का समर्थन किया और जब मेरी कड़ी मेहनत रंग लाई तो ये उससे भी ज्यादा था जितना मैंने सोचा था।

हार्दिक ने आगे कहा कि, इस 6 महीने के समय में हमने वर्ल्ड कप जीता और स्वदेश लौटने पर जो प्यार और समर्थन मुझे मिला उससे मैं अभीभूत था। मेरे समय समय का पहिया पूरी तरह से 360 डिग्री घूम गया था। इस स्टार ऑलराउंडर को पूरा विश्वास था कि अगर वह पूरे लगन से अपना काम करते रहे तो मजबूत होकर वापसी करेंगे।

विराट कोहली को आईपीएल में इस गेंदबाज से लगता है डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं। उनके सामने बड़े-बड़े गेंदबाज फीके पड़ जाते हैं लेकिन आईपीएल शुरू होने से पहले उन्होंने खुलासा करते हुए हुए बताया कि उन्हें कौन सा गेंदबाज अभी तक सबसे मुश्किल लगा है। जिसके सामने उन्हें रन बनाने में कठिनाई होती है। आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली अभी आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 8004 रन हैं। बुमराह की बात करें तो उन्होंने अपने आईपीएल की पहली विकेट विराट कोहली की ही ली थी। कोहली समेत इस मैच में उन्होंने 3 विकेट चटकाए थे। बुमराह अभी सबसे

खतरनाक गेंदबाजों में शुमार हैं और विराट कोहली ने भी उन्हीं का नाम लिया, जिसके सामने आईपीएल में खेलने में उन्हें मुश्किल होती है। आरसीबी द्वारा सेयर किए गए वीडियो में विराट कोहली ने कहा कि, इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सभी फॉर्मेट में जसप्रीत बुमराह दुनिया के बेहतरीन गेंदबाज हैं। उन्होंने मुझे आईपीएल में कई बार आउट किया है, मैं सफलतापूर्वक आईपीएल में जगह बना पाया हूं। इसलिए जब भी उनके सामने बल्लेबाजी की बात होती है तो मैं सोचता हूं कि ये मजेदार होगा। नेट पर भी हम जब एक दूसरे के सामने होते हैं तो ये मैच जैसा ही लगता है। ऐसा होता है जैसे हम आईपीएल में मैच खेल रहे हों, हम हमेसा ऐसा करते हैं हर गेंद एक माइंड गेम की तरह होती है।

अवनीत कौर और शुभमन गिल एक-दूसरे को कर रहे डेट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल क्रिकेट के साथ अक्सर अपने निजी जीवन को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। उनकी डेटिंग लाइफ भी अक्सर सुर्खियों में रहती है। हाल ही में उनका नाम एक्ट्रेस अवनीत कौर के साथ जुड़ा था। हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बात में सच्चाई नहीं है। शुभमन गिल एक्ट्रेस अवनीत को डेट नहीं कर रहे हैं, तो आखिर क्या वजह है कि अवनीत शुभमन गिल के मैच के अलावा उनकी बर्थडे पार्टी में भी नजर आती हैं।

अवनीत कौर बचपन से टीवी सीरियल में काम करती आ रही हैं। अवनीत कौर सबसे युवा इंफ्लूएंसर्स में शामिल हैं। अवनीत कौर पहली बार 2010 में डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स में दिखाई दीं। बाद में उन्होंने डांस के सुपरस्टार्स में भाग लिया, और 2012 में लाइफ ओके के शो, मेरी मां से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। टीवी पर वह झलक दिखला जा, सावित्री एक प्रेम कहानी, एक मुट्ठी आसमान में दिखाई दे चुकी हैं। 2014 में कौर ने की मर्दानी से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। अवनीत सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 31.7 मीलियन फॉलोअर हैं। वहीं शुभमन गिल के इसके मुकाबले आधे ही फॉलोअर्स हैं। गिल के इंस्टाग्राम पर केवल 15.5 मीलियन फॉलोअर्स हैं। बता दें कि, शुभमन गिल और अवनीत कौर के बीच की कड़ी प्रोड्यूसर राघव शर्मा हैं। राघव शर्मा शुभमन गिल के करीबी दोस्त हैं। दोनों कई बार साथ नजर आए हैं। चाहे गिल का जन्मदिन हो या फिर राघव शर्मा का, दोनों साथ में दिखाई देते हैं। गिल के वैकेशन पर भी राघव साथ रहते हैं। दोनों के सोशल मीडिया अकाउंट से भी उनके करीब होने के सबूत मिलते हैं। वहीं राघव शर्मा गिल और अवनीत के साथ दिखने की वजह है। मीडिया रिपोर्ट्स में पिछले तीन-चार साल से ये दावा किया जा रहा है कि अवनीत कौर और राघव शर्मा डेट कर रहे हैं। अवनीत की कई म्यूजिक वीडियो के प्रोड्यूसर राघव शर्मा ही हैं।

वह हर वैकेशन पर साथ नजर आते हैं। राघव गिल के भी करीबी हैं, जिस कारण अवनीत अक्सर गिल के साथ नजर आती हैं।

हैरी ब्रूक को बैन करने के बीसीसीआई के फैसले पर इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने दिया रिएक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार हैरी ब्रूक को पिछले हफ्ते भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईपीएल से दो साल के लिए बैन कर दिया। इस फैसले के बाद इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने अपना रिएक्शन दिया है। बता दें कि, हैरी ब्रूक ने निजी कारणों का हवाला देते हुए आईपीएल 2025 से हटने का फैसला किया था। 2023 में हैरी ब्रूक ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। उसके बाद 2024 के शुरू होने से पहले ही हैरी ब्रूक ने अपना नाम वापस ले लिया।

फिर पिछले साल नवंबर में मेगा ऑक्शन में दिल्ली ने उन्हें खरीदा। इंग्लैंड क्रिकेट के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए आईपीएल 2025 से हट गए। बीसीसीआई ने अपने नए नियम के तहत हैरी ब्रूक को बैन कर दिया। हैरी ब्रूक के बैन होने पर इंग्लैंड के खिलाड़ी मोईन अली ने

पॉडकास्ट बियर्ड बिफोर क्रिकेट पर कहा कि, वह बीसीसीआई के प्रतिबंध लगाने के फैसले का समर्थन करते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि बहुत से विदेशी खिलाड़ी लंबे समय से ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने ब्रूक जैसे खिलाड़ी के लीग से बाहर होने पर आईपीएल टीमों के सामने आने वाली परिणामों पर भी चर्चा की है। अली ने कहा कि, ये कठोर नहीं है। मैं इससे सहमत हूं एक तरह से, क्योंकि बहुत से लोग ऐसा करते हैं। बहुत से लोगों ने अतीत में ऐसा किया है। फिर वे वापस आते हैं और उन्हें बेहतर वित्तीय पैकेज मिलता है, उनके हटने से उनकी टीम गड़बड़ा जाती है। कोई भी टीम जो हैरी ब्रूक को खो देती है, वह थोड़ी गड़बड़ा जाती है और उन्हें अब सब कुछ फिर से व्यवस्थित करना होगा और इस तरह की चीजें करनी होंगी। साथ ही आदिल राशिद ने कहा कि, वास्तव में उन्होंने पहले भी ये नियम लागू किया था और फिर ये हुआ। इसलिए जब आप इसमें शामिल होते हैं तो आपको पता होता है कि ये नियम है। इसलिए जब आप अपना नाम डालते हैं तो आपको पता होता है कि अगर आप पीछे हटते हैं तो ये होने वाला है। इसलिए आपको इसके परिणा पता हैं इसलिए मुझे लगता है कि ये फैसला गलता है, बीसीसीआई तो बस कोशिश कर रहा है कि चीजें बेहतर रहें।

हिंसा के विरोध में रीवा-मऊगंज बंद

ब्राह्मण समाज ने कैंडल मार्च निकाला, बुलडोजर कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मऊगंज के गड़रा में होली के दूसरे दिन हुई हिंसा में सनी द्विवेदी और एसएएफ के एएसआई रामचरण गौतम की मौत के बाद विरोध तेज हो गया है। मंगलवार को सतना और मैहर से कई समूह रीवा और मऊगंज के लिए रवाना हुए। सभी लोग रीवा के कॉलेज चौराहे पर इकट्ठा होंगे। पड़रा कांड के विरोध में रीवा और मऊगंज में बंद का आह्वान किया गया है।

मैहर के रामनगर में सवर्ण समाज के नेतृत्व में युवाओं ने कैंडल मार्च निकालकर शहीद एएसआई रामचरण गौतम और सनी द्विवेदी को श्रद्धांजलि दी। सतना में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे ने डीजीपी के नाम सीएसपी को ज्ञापन दिया।

कार्रवाई की मांग

सर्व ब्राह्मण समाज के नेताओं ने सीधी के पेशाब कांड का हवाला देते हुए मऊगंज कांड के आरोपियों पर भी बुलडोजर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि सीधी में ब्राह्मण समाज के आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाया गया था, अब मऊगंज कांड के आरोपियों पर भी वैसी ही सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सोशल मीडिया पर हो रहा विरोध

क्षत्रिय रॉयल राजपूत संगठन ने भी रीवा बंद का समर्थन किया है। विंध्य क्षेत्र, सतना और मैहर में ब्राह्मण संगठन सक्रिय हो गए हैं। सोशल मीडिया पर भी ब्राह्मण समाज के लोग इस घटना का विरोध कर रहे सीधी कांड जैसे बुलडोजर हैं।

फेल होने पर 9वीं के छात्र ने पीया कीटनाशक

दिनभर दोस्तों के साथ खेल रहा था, घर लौटकर किया सुसाइड

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना 15 वर्षीय छात्र ने कक्षा 9वीं की गृह परीक्षा में फेल होने के बाद कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली। सोमवार रात छात्र के चाचा उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के सेमरी कुर्मीहाई टोला की है।

मृतक का नाम सुभाष सिंह है, वो भटनवारा हाई स्कूल में पढ़ता था। सोमवार को परीक्षा परिणाम घोषित हुआ था। सुभाष उस समय अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था। शाम को जब वो घर लौटा, तो उसके दोस्तों ने उसे फेल होने की खबर दी। इस खबर से दुखी होकर सुभाष ने रात करीब 9 बजे घर में खेत की सिंचाई के लिए रखा कीटनाशक पी लिया। इसके बाद परिजन उसे अस्पताल ले गए।

माता-पिता को नहीं थी रिजल्ट की जानकारी: सुभाष के चाचा महेंद्र सिंह ने बताया कि उसके माता-पिता को अभी तक रिजल्ट की जानकारी नहीं है। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

सीएसपी बोले- जांच की जा रही है: अस्पताल चौकी पुलिस ने सिटी कोतवाली थाना पुलिस को सूचित किया। मंगलवार दोपहर को पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की गई। सीएसपी महेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

माता पिता की पुण्यतिथि पर बेटे ने किया रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं किसी की हम जान बचा सके इससे बढ़कर पुण्य का दूसरा कार्य नहीं हो सकता उक्त बातें युवा समाजसेवी एवं सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी की प्रेरणा से प्रेरित होकर अपने माता-पिता चंद्रादेवी और द्वारकादास कामदार की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान करते हुए भरत कामदार ने कही। कामदार ने जिला अस्पताल में भर्ती जरूरत मंद को रक्त की आवश्यकता होने पर रक्त देकर मानवता की सच्ची सेवा करते हुए नया जीवन देने का प्रयास किया। रक्तदान करवाने में इंद्रलाल कापड़ी एवं मनीष सदानी का विशेष सहयोग रहा। संस्था के मंत्री संजय वाधवानी ने जानकारी देते हुए बताया समिति निरंतर सर्व समाज को रक्त की सेवा देकर इंसानियत का सच्चा धर्म निभा रही है।

मां-बेटे पर कुल्हाड़ी से हमला करने वाला सिरफिरा आशिक गिरफ्तार, पहले भी हार्पिक पिलाकर महिला को मरने की कोशिश कर चुका है आरोपी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर में देवी जी रोड पर मां-बेटे पर कुल्हाड़ी से हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद से फरार चल रहे आरोपी दिनेश सोनी को सोमवार को गिरफ्तार किया गया।

घटना 16 मार्च की देर शाम की है। बाजार से लौट रही 40 वर्षीय पूजा और उसके 15 वर्षीय बेटे पीयूष पर आरोपी ने सरेराह कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। दोनों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल सतना में भर्ती कराया गया है।

पूजा अपने पति आशीष गुप्ता के साथ देवी जी रोड पर प्रसाद की दुकान चलाती है। हमले के समय पूजा का छोटा बेटा अंश मौके से पिता को बुलाने भाग गया। इस वजह से वो बच गया।

पहले भी जान लेने की कोशिश कर चुका है आरोपी: पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दिनेश सोनी पहले भी पूजा को नुकसान पहुंचा चुका है। इससे पहले उसने पूजा को हार्पिक पिलाकर जान लेने की कोशिश की थी। इस मामले में वो जेल भी जा चुका है। उसे सोमवार को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

मैहर जिले की जनसुनवाई में आये 26 आवेदन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर कलेक्टर रानी बाटड़ के निर्देश पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई आयोजित की।

इस दौरान मैहर जिले के विभिन्न अंचलों से प्राप्त 26 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को निराकरण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर जनपद सीईओ प्रतिपाल बागरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सुनी 78 आवेदकों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आये 78 आवेदकों को अपने समक्ष सम्मानपूर्वक कुर्सी पर बिठाकर बडी सहजता से उनकी समस्यायें सुनी और अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिये। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे एवं डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगडे ने भी लोगों की समस्यायें सुनी और मैदानी अधिकारियों को दूरभाष से चर्चा कर लोगों की समस्याओं के निराकरण के संबंध में दिशा-निर्देश दिये।

जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, विद्युत समस्या, जमीन का कब्जा दिलाने, सीमांकन कराने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने गर्मी में सार्वजनिक प्याऊ लगाने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गर्मी के मौसम को देखते हुए जिलों के कलेक्टर, नगरीय निकायों तथा पंचायतों को सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ लगाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि उपयुक्त स्थलों पर छाया की व्यवस्था भी की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस संबंध में जन प्रतिनिधियों से भी अपील की है।

उन्होंने कहा कि जन सामान्य के लिए ग्रीष्म ऋतु में प्याऊ लगवाने की परंपरा प्राचीन काल से रही है। जल संरक्षण के साथ-साथ जल की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था आवश्यक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को दिए संदेश के माध्यम से प्रदेशवासियों से जल गंगा अभियान के अंतर्गत बूंद-बूंद जल बचाने के लिए संचालित होने वाली गतिविधियों में सहभागिता करने का भी आव्हान किया।

जनसुनवाई में सुरतिया कोल को मिला 4 लाख रूपये अनुग्रह राशि का चेक

सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने तहसील उचेहरा के गोबरांव खुर्द के सुदामा कोल की खेत में कृषि कार्य करने के दौरान करंट लगने से हुई मृत्यु होने पर मंगलवार को जनसुनवाई में मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के तहत मृतक की पत्नी सुरतिया कोल को 4 लाख रूपये अनुग्रह राशि का चेक प्रदान किया।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए 10 लाख से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

गेहूँ उपार्जन के लिये 31 मार्च तक होगा पंजीयन : खाद्य मंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मुल्य पर गेहूं की बिक्री के लिये प्रदेश भर में अभी तक 10 लाख 20 हजार 224 किसानों ने पंजीयन कराया है। मंत्री राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि गेहूँ की बिक्री के लिए समय-सीमा में पंजीयन जरूर करायें। उन्होंने बताया है कि किसान 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं, खरीदी उपार्जन केन्द्रों में 5 मई तक होगी। गेहूँ की खरीदी के लिये 2648 उपार्जन केन्द्र बनाये जा चुके हैं। गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए जिला बुरहानपुर में 160, खरगौन में 4305, बड़वानी में 577, अलीराजपुर में 85, खंडवा में 11,560, धार में 20,647, झाबुआ में 3934, इंदौर में 31,694 मंदसौर 31,714, नीमच 10,259, आगर-मालवा में 25,357, देवास में 37,038, रतलाम में 19,966, शाजापुर में 53,172, उज्जैन में 78,016, अशोकनगर में 12,557, शिवपुरी में 8662, ग्वालियर में 5880, दतिया में 7680, गुना में 8446, भिंड में 10,470, श्योपुर में 11,157, मुरैना में 7824, जबलपुर 11,075, बालाघाट 806, कटनी में 15,511, पांढुर्णा 89, डिंडौरी में 1773, छिंदवाड़ा में 9091, सिवनी में 24,801, नरसिंहपुर में 20,979, मंडला में 9350, हरदा में 22,227, बैतूल में 8788, नर्मदापुरम में 52,017, विदिशा में 65,348, रायसेन में 57,898, राजगढ़ में 55,855, भोपाल में 26,847, सीहोर में 76,299, सतना में 12,028, रीवा में 9439, सिंगरौली में 4369, मऊगंज 996, मैहर में 3835, सीधी में 4535, अनूपपुर में 521, उमरिया में 4312, शहडोल में 5145, पन्ना में 14,785, निवाड़ी में 1132, दमोह में 22,505, टीकमगढ़ में 8048, छतरपुर में 12,198 और सागर में 56,462 किसानों ने पंजीयन कराया है।

युवा संगम मेला आज सतना और कल मैहर में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शासकीय आईटीआई सतना एवं जिला रोजगार कार्यालय सतना के सहयोग से सतना एवं मैहर जिले में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया जा रहा है।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि सतना जिले के शासकीय आईटीआई कॉलेज परिसर में 19 मार्च को एवं मैहर जिले के शासकीय आईटीआई कॉलेज परिसर सरला नगर रोड मैहर में 20 मार्च को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक युवा संगम मेले का आयोजन किया जा रहा है।

रोजगार मेले में एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस, ख्याती शिल्ड वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, आयशर मोटर्स, आमधने प्राइवेट लिमिटेड आटो, एमआरएफ़ देवा इंटरप्राइजेज, डुरोसॉक्स कंपनी, चैतन्य फायनेंस, राजश्री फैमली, प्राकृतशील बायोटेक सतना, रिलायंस सोलर, जोमैटो, टाटा मोटर्स, जय भारत मारूति, जिंडल पाईप्स एवं मुंजाल शोवा पद के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं आईटीआई, डिप्लोमा, ग्रेजुएशन उत्तीर्ण बेरोजगार आवेदक अपने मूल रिकार्ड के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

सेना में भर्ती के लिए 10 अप्रैल तक करें आवेदन

सतना। भर्ती कार्यालय मुख्यालय जबलपुर म.प्र. के 15 जिलों में रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, कटनी, उमरिया, शहडोल, जबलपुर, मऊगंज, मंडला, अनूपपुर, डिंडोरी, सिवनी, बालाघाट और मैहर से भारतीय सेना के लिए पुरूष एवं महिला उम्मीदवार भाग ले सकते हैं। जो शारीरिक चिकित्सा और शैक्षिक मानकों के निर्धारित मानदंडों को पूरा करते है। भर्ती कार्यालय जबलपुर द्वारा इस संबंध में बताया गया कि सेना भर्ती के लिए अधिसूचना 12 मार्च को जारी की गई। इच्छुक उम्मीदवार 10 अप्रैल 2025 तक भारतीय सेना की बेवसाइट पर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आनलाइन पंजीकरण अग्निवीर और नियमित कैडर की सभी श्रेणियों जैसे धार्मिक, शिक्षक, नर्सिंग, सहायक नर्सिंग, सहायक पशु चिकित्सा, सिपाही फार्मा और हवलदार सर्वेयर आटोमेटेड कार्टोग्राफर के लिए होगा।

शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम की दसवीं प्रस्तुति 1 को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर मां शारदा की पावन नगरी एवं संगीत सम्राट पद्म विभूषण बाबा अलाउद्दीन खाँ की साधना स्थली मैहर में शास्त्रीय संगीत के उभरते हुये नवोदित कलाकारों को मंच देने का कार्य जिला प्रशासन के सहयोग से मैहर म्यूजिक अटाला आर्ट सिटी के तत्वाधान में 1 जुलाई 2024 से प्रारंभ किया गया था। जिसकी दसवीं प्रस्तुति 1 अप्रैल 2025 दिन मंगलवार को शासकीय संगीत महाविद्यालय परिसर में सायं 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक संपन्न होगी। शास्त्रीय संगीत के इस कार्यक्रम में शास्त्रीय गायन, वादन एवं नृत्य के कलाकार अपनी प्रस्तुती दे सकेंगे। साथ में अटाला आर्ट के तहत घर की अनुउपयोगी वस्तुओं से निर्मित कलाकृति की प्रदर्शनी भी शासकीय संगीत कॉलेज परिसर में लगाई जाएगी। पूर्व में ब्लू बेल्स एकेडमी, सेमरॉक एकेडमी के बच्चों द्वारा अटला आर्ट प्रदर्शनी में अपनी सहभागिता दी थी। जिले की अन्य विद्यालय भी इस क्रम को आगे बढ़ाने में सहयोग प्रदान करें।

कलाकार अपने आवेदन बायोडाटा के साथ 25 मार्च 2025 तक संगीत महाविद्यालय मैहर में प्रभारी अनिल कुमार जायसवाल सहायक व्याख्याता मोबा. 7987274350 के पास जमा कर सकते हैं। जिन कलाकारों की प्रस्तुतियां हो चुकी हैं वह 1 वर्ष के पश्चात ही आवेदन करने के पात्र होंगे। मैहर घराने को जीवंत बनाने एवं विद्या की देवी माँ शारदा की नगरी को संगीत मय बनाने हेतु शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक माह की 1 तारीख को किया जा रहा है। शास्त्रीय संगीत के इस नियमित मासिक कार्यक्रम के अवसर पर नवोदित कलाकारों के उत्साह वर्धन के लिए कला प्रेमी रसिक जन ईस्ट मित्रों के साथ सादर आमंत्रित हैं।

प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं की हागी जांच : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य क्षेत्र में देश के शीर्ष राज्यों में लाने के लिए समर्पित प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को सभी गर्भवती महिलाओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिये होटल पलाश भोपाल में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि गर्भवती महिलाओं में हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान कर उन्हें समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा दी जाए और उनका फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए। इससे माताओं एवं नवजात शिशुओं को सुरक्षित रखा जा सकेगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गर्भस्थ भ्रुण का लिंग परीक्षण एक दंडनीय अपराध है और इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि टीम वर्क, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी और एकजुट प्रयासों से मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य के क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर पहुंचाने का लक्ष्य शीघ्र पूरा होगा। मिशन संचालक एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पीसीपीएनडीटी अधिनियम, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी प्रबंधन एवं स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार को लेकर गहन मंथन किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर और विधिवत प्रदाय, समयबद्ध चिन्हाकन, नियमित जाँच और फॉलोअप सेवा से मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में सुधार के सशक्त प्रयास किये जायेंगे। कार्यशाला में प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, पीसीपीएनडीटी नोडल अधिकारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डीपीएम, विभागीय अधिकारी और सलाहकारों ने भाग लिया।

एनडीआरएफ ने भूकंप आपदा परिदृश्य पर किया संयुक्त मॉक अभ्यास

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन योजना के तहत 11 राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) वाराणसी की टीम द्वारा मैहर में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, स्वास्थ्य, पुलिस, राजस्व, अग्निशमन सेवा तथा अन्य हितधारकों के साथ मिलकर भूकंप आपदा पर संयुक्त मॉक अभ्यास किया गया। भूकंप आपदा पर एक परिदृश्य तैयार किया गया था, जिसमें मां शारदा अन्नकूट भवन की इमारत का एक हिस्सा भूकंप के कारण ढह गया और कुछ लोग फंस गए थे। तदनुसार इमरजेंसी आपरेशन सेंटर को घटना के बारे में सूचित किया गया। जिसने एनडीआरएफ के नियंत्रण कक्ष एवं सभी संबंधित हितधारकों को आपात प्रतिक्रिया के लिए सूचित किया गया।

इस दौरान 11 एनडीआरएफ वाराणसी की टीम ने श्री रामभवन सिंह यादव उप कमांडेंट की देखरेख में एवं निरीक्षक शिवपूजन सिंह के नेतृत्व में घटना स्थल पर पहुंचने पर प्रारंभिक आकलन किया तथा ऑपरेशन बेस, कमांड पोस्ट, मेडिकल पोस्ट, कम्युनिकेशन पोस्ट स्थापित किए। आकलन के तुरंत बाद टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया तथा विभिन्न कटिंग उपकरणों का इस्तेमाल करते हुए इमारत में क्षैतिज पहुँच बनाकर तथा विभिन्न रस्सी बचाव तकनीकों का उपयोग करके गंभीर रूप से फंसे पीड़ितों को बचाया। पीड़ितों को अस्पताल पूर्व उपचार देने के बाद मेडिकल एजेंसियों द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया। यह पूरा मॉक अभ्यास इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किया गया था और पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया।

इस मॉक अभ्यास को कलेक्टर मैहर रानी बाटड एवं पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल की मौजूदगी में आयोजित किया गया तथा अन्य हितधारकों मे जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, स्वास्थ्य, होमगार्ड, पुलिस, राजस्व, अग्निशमन सेवा तथा मीडिया कर्मियों ने भाग लिया। एनडीआरएफ बचाव दल द्वारा प्रदर्शित पेशेवर कौशल की सभी हितधारकों द्वारा सराहना की गई।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।